RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:255 ता. 06 अप्रेल 2023, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

मेक्सिको से भारत लाया गया एनसीआर का सबसे बड़ा गैंगस्टर दीपक बॉक्सर, एयरपोर्ट पर खुद मौजूद रहे स्पेशल कमिश्नर

नई दिल्ली। अमेरिकी खुफिया एजेंसी एफबीआई और इंटरपोल की मदद से मेक्सिको से गिरफ्तार किए गए भारत के कुख्यात गैंगस्टर दीपक बॉक्सर को आज सुबह फ्लाइट के जरिए दिल्ली एयरपोर्ट पर वापस लाया गया। इस दौरान दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के स्पेशल कमिश्नर एचजीएस धालीवाल भी एयरपोर्ट पर मौजूद थे। स्पेशल कमिश्नर एचजीएस धालीवाल ने कहा कि गृह मंत्री के निर्देश पर भगोड़ों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। यह एक बड़ी कामयाबी है कि समन्वित कार्रवाई के जरिए पहली बार है जब किसी अपराधी को मेक्सिको जैसी जगह से भारत वापस लाया गया है। दीपक बॉक्सर दिल्ली के सिविल लाइंस में एक बिल्डर की हत्या समेत कई जघन्य मामलों में फरार चल रहा था। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल कई महीनों से गैंगस्टर दीपक बॉक्सर पीछा कर रही थी। उन्होंने बताया कि फिलहाल दिल्ली-एनसीआर में इससे बड़ा गैंगस्टर कोई नहीं है। इस पर पुलिस की कई टीमों ने काम किया है। धालीवाल ने बताया कि गैंगस्टर ने अमेरिका के रास्ते मेक्सिको पहुंचने के लिए कई रास्ते अपनाए, लेकिन वह पुलिस के जाल में फंस गया। उन्होंने कहा कि ऐसा पहली बार था जब दिल्ली पुलिस ने किसी गैंगस्टर को देश के बाहर किसी अभियान में गिरफ्तार किया हो। दिल्ली के रोहिणी कोर्ट रूम में बदमाश जितेंद्र मान उर्फ गोगी की हत्या के बाद दीपक ही गोगी गैंग को चला रहा था। दो हमलावरों ने 24 सितंबर 2021 को गोगी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके बाद पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों हमलावर भी मारे गए थे। दीपक ने फेसबुक पर बिल्डर अमित गुप्ता की हत्या की जिम्मेदारी ली थी और कहा था कि प्रतिद्वंद्वी टिल्लू ताजपुरिया गैंग के साथ निकटता के कारण उसकी हत्या की गई थी। उन्हें शक था कि अमित गुप्ता ने फज्जा के बारे में पुलिस को सूचना दी थी।

राहुल गांधी के केस के बाद सतर्क है कांग्रेस! पीएम मोदी पर बयानबाजी न करने की सलाह

कांग्रेस ने 200 यूनिट मुफ्त बिजली, घर की महिला प्रमुखों को 2000 रुपये प्रतिमाह, बेरोजगार ग्रेजुएट्स को 3 हजार रुपये प्रतिमांह और गरीबी रेखा से नीचे वाले परिवारों को 10 किलो चावल देने का वादा किया है।

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी मानहानि मामले के बाद पार्टी सतर्क नजर आ रही है। खबर है कि कांग्रेस ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधे हमला करने से बचने के लिए कहा है। 2019 में एक रैली के दौरान मोदी सरनेम को लेकर विवादित टिप्पणी करने के चलते मार्च में ही सूरत की कोर्ट ने राहुल को आपराधिक मानहानि मामले में दोषी ठहराया था। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कहा जा रहा है कि कांग्रेस ने सलाह दी है, अगर हम मोदी के खिलाफ कुछ कहेंगे, तो उसे कुछ और ही समझ लिया जाएगा और चुनावी तस्वीर बदलने की कोशिश की जाएगी...। खबर

कांग्रेस ने सलाह दी है, अगर हम मोदी के खिलाफ कुछ कहेंगे,

है कि कांग्रेस ने इसके लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का उदाहरण दिया है और दावा किया है कि गुजरात चुनाव के दौरान उनके बयान को तोड़ा मरोड़ा गया था।

कांग्रेस का प्लान

कांग्रेस ने भ्रष्टाचार, बढ़ती कीमतों जैसे मुद्दों को उठाने का प्लान बनाया है। इसके अलावा पार्टी ने 200 यूनिट मुफ्त बिजली, घर की महिला प्रमुखों को 2 हजार रुपये प्रतिमाह, बेरोजगार ग्रेजुएट्स को 3 हजार रुपये प्रतिमांह और गरीबी रेखा से नीचे वाले परिवारों को 10 किलो चावल देने का वादा किया है। राज्य में 10 मई को मतदान होगा और 13 मई को मतगणना होगी।

राहुल ने की सजा के खिलाफ अपील

सूरत की कोर्ट ने आपराधिक मानहानि मामले में राहुल को 2 साल की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ कांग्रेस नेता ने सेशंस कोर्ट में अपील की है। अब इस मामले की सुनवाई 13 अप्रैल को होगी। दोषी पाए जाने के बाद उनकी लोकसभा सदस्यता चली गई थी। साथ ही सचिवालय की तरफ से उन्हें सरकारी बंगला खाली करने का नोटिस भी दिया गया था।

कन्नड़ अभिनेता सुदीप, दर्शन के भाजपा में शामिल होने की संभावना

बेंगलुरू। कर्नाटक में 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले कन्नड़ फिल्मों के दो फिल्मी सितारों किच्चा सुदीप और दर्शन थुगुदीपा के बुधवार को भाजपा में शामिल होने की उम्मीद है। भाजपा सूत्रों ने बताया कि सैंडलवुड के दोनों अभिनेता आज दोपहर एक निजी होटल में कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई की उपस्थिति में भगवा पार्टी में शामिल हो सकते हैं। सुदीप कन्नड़ फिल्मों एक प्रसिद्ध अभिनेता हैं और मुख्य रूप से कन्नड फिल्मों में ही काम करते है , लेकिन उन्होंने हिंदी, तेलुगु और तमिल फिल्मों में अभिनय किया है। उन्होंने ब्लॉकबस्टर बाहुबली में कैमियो भी किया है। सुदीप के पास फिल्म उद्योग में 20 से अधिक वर्षों का अनुभव है, और वे निर्देशन, फिल्मों के निर्माण और पटकथा लेखन में भी कुशल हैं। सुदीप ने थायव्वा के साथ अपने अभिनय की शुरुआत की और स्पर्श, हुच्चा, स्वाति मुथु, ईगा और माई ऑटोग्राफ जैसी हिट फ़िल्में दीं। उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (कन्नड़) के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए कर्नाटक राज्य फिल्म पुरस्कार सहित कई पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है। इस तरह दर्शन एक एक्शन फिल्म अभिनेता हैं जिन्होंने 2001 में मैजेस्टिक फिल्म से अपनी शुरुआत की थी। पिछले 20 वर्षों में उन्होंने 50 फिल्मों में

अभिनय किया है और फिल्म सारथी में अपनी भूमिका के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का कर्नाटक राज्य फिल्म पुरस्कार सहित कई पुरस्कार जीते हैं। दर्शन अपनी गहन भूमिकाओं और स्क्रीन पर जटिल भावनाओं को प्रदर्शित करने की क्षमता के लिए कन्नड़ फिल्म प्रशंसकों के बीच लोकप्रिय हैं। दोनों अभिनेता विभिन्न सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय भागीदार हैं।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस में दरार

बेंगलुरू/नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक से पहले पार्टी के वरिष्ठ नेता और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने प्रदेश पार्टी इकाई में किसी तरह की दरार की खबरों का खंडन किया।

लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां करती है। कुछ दिन पहले एक राष्ट्रीय समाचार चैनल को दिए एक साक्षात्कार में श्री सिद्धारमैया ने राज्य में 10 मई को विधानसभा चुनाव जीतने पर मुख्यमंत्री बनने की अपनी आकांक्षाओं को स्पष्ट कर दिया था।

कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष रहे डीके शिवकुमार भी पार्टी में अपने समर्थकों के जरिए मुख्यमंत्री बनने की मंशा जाहिर करते रहे हैं।

वास्तव में इस मामले में राहुल गांधी को हस्तक्षेप करना पड़ा और दोनों नेताओं के बीच एक समझौता करना पड़ा, लेकिन उन्होंने विधानसभा चुनाव से पहले प्रतिष्ठित सीट के लिए दावा करना शुरू कर दिया। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि दोनों नेता मुख्यमंत्री पद के लिए दावेदारी प्रस्तुत करने के लिए अधिक से अधिक संख्या में पार्टी विधायकों का समर्थन प्राप्त करने के लिए गुप्त रूप से काम कर रहे हैं।

इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि श्री सिद्धारमैया ने अपने को नेता नामांकित करने और इसे आलाकमान की मंजूरी के लिए आगे बढ़ाने में राज्य विधायक

दल की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

इसके अलावा टिकट वितरण के मामले में सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच भी मतभेद सामने आ रहे हैं क्योंकि वे चुनाव लड़ने के लिए एक-दूसरे के उम्मीदवारों की पसंद का विरोध कर रहे हैं और यह वजह दूसरी सूची जारी करने के लिए एक बाधा बन रही थी।

न केवल इन दोनों नेताओं ने, बल्कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी अपनी पसंद के उम्मीदवारों की सिफारिश करने के लिए अपने पत्तें फेंक दिये है।

अगर कर्नाटक कांग्रेस को भाजपा से सत्ता छीननी है तो उसे श्री सिद्धारमैया और शिवकुमार की फूट वाली गतिविधियों से दूर रहना होगा, अन्यथा इससे उसकी चुनावी संभावनाओं को नुकसान होगा।

शुरुआत में ही, कांग्रेस ने यह समझाने की बहुत कोशिश की कि नेताओं के बीच एकमत है। श्री सुरजेवाला ने कहा हमने स्क्रीनिंग कमेटी के साथ-साथ सीईसी की बैठकें की हैं, और हम सर्वसम्मति से 124 उम्मीदवारों की घोषणा करने वाले पहले दल है । अब भी, पार्टी में पूरी तरह से एकमत है ...

श्री सिद्धारमैया ने यह भी स्पष्ट किया कि एक प्रतिष्ठित दैनिक में एक रिपोर्ट में उन्हें यह कहते हुए गलत उद्धृत किया गया था कि उन्होंने कहीं भी यह नहीं कहा कि पार्टी आलाकमान शिवकुमार, एमबी पाटिल या किसी कांग्रेस नेता से नाखुश है। शिवकुमार ने भी कहा कि पार्टी एकजुट है और सिद्धारमैया और उनके बीच कोई मतभेद नहीं है।

गर्भवती महिलाओं व दिव्यांगों के लिए मंदिरों में होगी तत्काल दर्शन की व्यवस्था

मद्रास हाई कोर्ट का आदेश जारी

चेन्नई। मद्रास हाई कोर्ट की मदुरई पीठ ने सोमवार को हिंदू रिलीजियस एंड चैरीटेबल एंडोमेंट्स (एचआर एंड सीई) को निर्देश दिया कि वह तमिलनाडु में पांच बड़े मंदिरों में गर्भवती महिलाओं और दिव्यांगजनों के लिए तत्काल और परेशानी मुक्त दर्शन सुनिश्चित करने की योजना बनाए।

पीठ ने अधिवक्ता बी. रामकुमार आदित्यन की जनहित याचिका का निपटारा करते हुए यह निर्देश दिया। याचिका में कहा गया है कि तमिलनाडु में एचआर एंड सीई के नियंत्रण में 40 हजार से ज्यादा मंदिर हैं। तमिलनाडु में पांच बड़े मंदिरों में श्रद्धालुओं को दर्शनों के लिए तीन से चार घंटे प्रतीक्षा करनी पड़ती है। पलानी मरुगन मंदिर, तिरुचेंदूर मुरुगन मंदिर, थिरुवरंगम अरंगनाथर मंदिर, रामेश्वरम रामनाथ स्वामी मंदिर और मदुरई मीनाक्षी अम्मन मंदिर। इन मंदिरों में मुफ्त में, 100 रुपये या 200 रुपये में और विशेष मार्ग से तत्काल दर्शन भी होते हैं। इसलिए वीवीआइपी और वीआइपी, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों, गर्भवती महिलाओं, नवजात के साथ आई महिलाओं और बीमार लोगों इन पांच

मंदिरों में अलग से दर्शन की व्यवस्था की जाए। अदालत ने इन सभी के लिए ऐसी व्यवस्था से इनकार करते हुए कहा कि दिव्यांगों व गर्भवती महिलाओं के लिए ऐसी व्यवस्था की जाए।

128 से ब्राह्मण, 167 से यादव; बिहार में जाति गणना के लिए कास्ट कोड तय

पटना। बिहार में जातियों का अपना कोड होगा। जाति आधारित गणना का दूसरा चरण 15 अप्रैल से शुरू होने जा रहा है। इससे पहले नीतीश सरकार ने अलग-अलग जातियों के लिए अलग-अलग कोड निर्धारित किया है। सवर्ण जातियों में कायस्थ का कोड 22, ब्राह्मण के लिए 128, राजपूत के लिए 171 तो भूमिहार के लिए 144 है। कुर्मी जाति का अंक 25 और कुशवाहा-कोइरी का 27 है। यादव जाति में ग्वाला, अहीर, गोरा, घासी, मेहर, सदगोप, लक्ष्मीनारायण गोला के लिए कोड संख्या 167 है। पहले नंबर पर अगरिया जाति है वहीं अन्य का कोड 216 है। केवानी जाति के लिए 215 कोड तय किया गया है। बनिया जाति के लिए 124

कोड संख्या निर्धारित किया गया है, जिसमें सूड़ी, गोदक, मायरा, रोनियार, पंसारी, मोदी, कसेरा, केसरवानी, ठठेरा, कलवार, कमलापुरी वैश्य, माहुरी वैश्य, बंगी वैश्य, वैश्य पोद्दार, बरनवाल, अग्रहरी वैश्य, कसौधन, गंधबनिक, बाथम वैश्य, गोलदार आदि शामिल हैं।

हर जाति के लिए अलग कोड

जाति आधारित गणना में हर जाति के लिए एक अलग कोड तैयार किया गया है जो अंकों में है। यह जाति आधारित गणना से सम्बंधित प्रपत्र के अलावा पोर्टल और ऐप पर भी प्रकाशित होगा। गणना के दौरान जातियों के नाम के साथ उस जाति के लिए निर्धारित कोड को लिखा जाएगा। एक व्यक्ति की गणना एक ही स्थान से होगी। इस कोड या अंक का उपयोग भविष्य की योजनाएं तैयार करने, आवेदन और अन्य रिपोर्ट में भी किया जा सकेगा।

जाति गणना का दूसरा चरण 15 अप्रैल से-बिहार में 15 अप्रैल से जाति गणना के दूसरे चरण की शुरुआत होने वाली है। इसके पहले चरण में मकानों को नंबर देने का काम किया गया था। दूसरे चरण में 215 जातियों और एक अन्य के साथ कुल 216 जातियों की गणना होगी। जातियों की सूची और उसकी श्रेणी भी तैयार कर ली गई है।

एमसीडी के कॉन्ट्रैक्ट टीचर्स को दिल्ली सरकार ने दी गुड न्यूज, नगर निगम के स्कूलों में भी लागू होगी यह व्यवस्था

नई दिल्ली। दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार ने एमसीडी स्कूलों में कार्यरत कॉन्टैक्ट टीचर्स के कॉन्ट्रैक्ट को जल्द रिन्यू कर सकती है। दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी ने मंगलवार को महापौर शैली ओबरॉय के साथ एमसीडी स्कूलों के कॉन्ट्रैक्ट टीचर्स से मुलाकात की। मंत्री ने उनकी समस्याएं सुनने के बाद आश्वासन दिया कि उनके कॉन्ट्रैक्ट का जल्द रिन्यू किया जाएगा। आतिशी ने कहा कि वर्ष 2015 से पहले दिल्ली सरकार में गेस्ट टीचर्स का कॉन्ट्रैक्ट नवीनीकरण एक प्रमुख मुद्दा था, लेकिन जब हमारी सरकार आई तो कॉन्ट्रैक्ट टीचर के कॉन्ट्रैक्ट बिना किसी आवेदन के स्वत- ही नवीनीकृत हो जाता है। नगर निगम के स्कूलों में भी यही व्यवस्था लागू की जाएगी। एमसीडी के शिक्षकों को इस विषय पर चिंता करने की जरूरत नहीं होगी।

गौरतलब है कि दिल्ली नगर निगम के स्कूलों में लगभग 2200 संविदा शिक्षक काम कर रहे हैं। इन्हें अनुबंध नवीनीकरण को लेकर लगातार चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसका असर एमसीडी स्कूलों में कामकाज पर पड़ रहा है।

एमसीडी स्कूलों में विश्वस्तरीय सुविधाएं

मिलेंगी वहीं, दिल्ली सरकार अब एमसीडी स्कूलों में प्राथमिक शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए कवायद शुरू कर दी है। शिक्षामंत्री आतिशी ने मंगलवार को इसे लेकर महापौर शैली ओबेरॉय के साथ शिक्षा निदेशालय व निगम अधिकारियों के साथ बैठक की। शिक्षामंत्री ने एमसीडी स्कूलों के शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम बनाने का भी निर्देश दिया है।

संडे को खेली तूफानी पारी, मंडे को ली फ्लाइट और ट्यूसडे को दिल्ली पर बोला धावा

शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि एमसीडी स्कूलों में शिक्षण कार्य को और बेहतर बनाने के लिए शिक्षा निदेशालय और एमसीडी मिलकर काम करेंगे। इसके लिए एक संयुक्त समिति का गठन करेंगे, जिसमें शिक्षा निदेशालय व एमसीडी के लोग होंगे। उन्होंने कहा कि एमसीडी स्कूल के शिक्षकों के लिए भी अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण का रोडमैप तैयार किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों से नए सत्र में दिल्ली सरकार और एमसीडी के स्कूलों के लिए संयुक्त प्रशिक्षण की कार्ययोजना, एमसीडी और शिक्षा विभाग के स्कूल प्रमुखों के लिए संयुक्त ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित करने को कहा है।

हरियाणा सरकार ने भगवान परशुराम के नाम पर जारी किया डाक टिकट

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने भगवान परशुराम के नाम पर डाक टिकिट जारी किया है। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि संतों और महापुरुषों के संदेश व शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने और युवाओं को इन महापुरुषों के जीवन से प्रेरित करने के उद्देश्य से शुरू की गई संत-महापुरुष विचार सम्मान एवं प्रसार योजना' सही मायने में धरातल पर नजर आ रही है। महापुरुषों की जयंतियों पर की गई घोषणाओं को कम से कम समय पर पूरा करने की पहल की गई। इस कड़ी में 11 दिसंबर, 2022 को करनाल में आयोजित भगवान परशुराम महाकुंभ के दौरान मुख्यमंत्री ने चिंरजीवी भगवान परशुराम जी के नाम पर डाक टिकट जारी करने की घोषणा की थी। जिसे पूरा करते हुए उन्होंने बुधवार को विधिवत रूप से डाक टिकट जारी किया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री के अनुरोध पर मात्र 23 दिन में ही केंद्रीय डाक व संचार मंत्रालय द्वारा भगवान परशुराम के नाम पर डाक टिकट जारी किया था। इसके लिए मुख्यमंत्री ने 23 जनवरी, 2023 को केंद्रीय रेल एवं संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर भगवान परशुराम जी के नाम पर डाक टिकट जारी करने के लिए का उनका धन्यवाद व्यक्त किया था।

पांच लाख का इनामी नक्सली कमांडर चार साथियों साहित गिरफ्तार

रांची। अपने साथियों सहित चार लाख का इनामी नक्सली कमांडर गिरफ्तार कर लिया गया है। झारखंड के चतरा में बीते सोमवार को पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ के दौरान फरार हुए पांच माओवादी नक्सलियों को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया। इनमें पांच लाख का इनामी जोनल कमांडर नंदकिशोर यादव उर्फ ननकुरिया शामिल है। वह मुठभेड़ के दौरान पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया था और पिछले तीन दिनों से पलामू के पिपराटांड़ और पांकी थाना क्षेत्र के सीमावर्ती इलाके में अपना इलाज करवा रहा था। गौरतलब है कि इस मुठभेड़ के दौरान 25-25 लाख के इनाम वाले नक्सली कमांडर गौतम पासवान और अजीत उरांव के अलावा पांच-पांच लाख के इनाम वाले तीन नक्सली अमर गंझू, अजय यादव और सुजीत भुइयां मारे गए थे। पुलिस ने उस दिन दावा किया था कि मुठभेड़ के दौरान कई अन्य नक्सली जख्मी हुए हैं, लेकिन जंगलों का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। अब इनमें से पांच को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से कई हथियार भी बरामद किए गए हैं। इधर मारे गए नक्सलियों के परिजनों ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने उन्हें फर्जी एनकाउंटर में मारा है। वे सभी सरेंडर करना चाहते थे, लेकिन पुलिसकर्मियों ने उन्हें पकड़कर गोली मारी है। दूसरी तरफ झारखंड के डीजीपी अजय कुमार सिंह ने इस आरोप को पूरी तरह निराधार बताते हुए इस ऑपरेशन में शामिल पुलिस और सुरक्षा बल के जवानों और अधिकारियों को सम्मानित किया है।

पीएम, सीएम को जान से मारने की धमकी भरे ईमेल से मचा हड़कंप

नोएडा। मोदी, योगी को जान से मारने की धमकी भरे ईमेल से हड़कंप मच गया है। नोएडा के सेक्टर 16ए स्थित फिल्म सिटी में एक निजी चैनल के सीएफओ को एक मेल आया जिसके बाद पु?लिस हरकत में आई। मेल भेजने वाले ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी दी थी। मेल मिलने के बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज करते हुए साइबर सेल की टीम के साथ मामले की जांच शुरू कर दी है। नोएडा के थाना 20 सेक्टर में शिकायत दी गई है। पुलिस ने तत्काल थाना सेक्टर 20 में मुकदमा दर्ज करा दिया और टीम का गठन किया जो जांच में जुटी हुई है। यह मेल रात करीब साढ़े 10 बजे मिला। मेल भेजने वाले शख्स का नाम कार्तिक सिंह है। उसका मेल आईडी सिंहकार्तिक78107एटदरेटजीमेल डॉट काम है। इसी मेल आईडी से धमकी भरा मेल भेजा गया था। मेल आते ही पुलिस को जानकारी दी गई। इस पूरे मामले में डीसीपी नोएडा को शिकायत की गई जिसके बाद तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। मामला बेहद संजीदा है। लिहाजा पुलिस साइबर टीम की मदद भी ले रही है। पुलिस ने कई टीमों का गठन कर जांच तेज कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

हिंदू लड़की से बात करने पर मुस्लिम युवक को जमकर पीटा, केस दर्ज

बेंगलुरु। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले के उजिरे में एक बस में हिंदू लड़की से बात करने पर एक मुस्लिम युवक को जमकर पीटा गया। इस मामले में चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए नितेश, सचिन, दिनेश और अविनाश के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पीड़ित की पहचान 22 वर्षीय मोहम्मद जहीर के रूप में हुई है। घटना मंगलवार शाम की है। पुलिस ने कहा कि जहीर एक बस में यात्रा कर रहा था और उसने अपनी दोस्त, जो एक हिंदू लड़की है, को देखा। वह उसके पास बैठ गया और उसके साथ बात करने लगा। लड़की बेलथांगडी में बस से उतर गई। जहीर को एक हिंदू लड़की से बात करते देख बस में सवार लोगों ने एक समूह को इसके बारे में सूचित किया। उजिरे में अगले बस स्टॉप पर इंतजार कर रहे आरोपियों ने जहीर को बस से बाहर खींच लिया और उससे पूछताछ की और उसके साथ मारपीट की। बाद में जहीर को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसका बयान दर्ज किया गया।

गृह मंत्री अमित शाह से मिले मौलाना मदनी रामनवमी जुलूस के दौरान हुई हिंसा सहित 14 प्वाइंट्स पर हुई बातचीत

नई दिल्ली। मुस्लिम समाज और केंद्र सरकार के बीच भ्रम दूर करने की बड़ी पहल की गई है। इस कड़ी में मुस्लिम समुदाय के 16 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने कल मंगलवार देर रात केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने गृह मंत्री से यह मुलाकात जमीयत उलेमा ए हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी के नेतृत्व में की। जानकारी के मुताबिक, इसमें विभिन्न राज्यों के मुस्लिम धार्मिक गुरु और बुद्धिजीवी शामिल हुए थे। गृह मंत्री के आवास पर करीब डेढ़ घंटे तक यह बैठक चली। जमीयत के शीर्ष पदाधिकारियों के अनुसार, इस मुलाकात के दौरान 14 बिंदुओ पर बातचीत हुई है। सरकार की ओर से कई मुद्दों पर मुस्लिम समाज का भ्रम दूर किया गया है तो कई मुद्दों पर अमित शाह ने कार्रवाई का भरोसा दिया है। इस बातचीत में मौजूदा वक्त में रामनवमी जुलूस के दौरान देश के कई हिस्सों में हुई हिंसा, हरियाणा समेत अन्य राज्यों में मॉब लांचिंग की घटनाएं और कर्नाटक में मुस्लिम आरक्षण खत्म करने जैसे मामले उठाए गए। इसी तरह समान नागरिक संहिता, नागरिकता संशोधन कानून (सीएए), सेम जेंडर मैरिज समेत अन्य मामले भी उठे। इनमें कश्मीर में अनुच्छेद-370 हटाने का मामला भी उठाया गया। इस दौरान तय हुआ कि नागरिकता संशोधन कानून पर आगे विस्तार से बैठक की जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने कर्नाटक में मुस्लिम आरक्षण को लेकर मुस्लिम समाज के भ्रम को दूर किया। साथ ही मदरसों में आधुनिक शिक्षा पर जोर दिया। इसी तरह मॉब लांचिंग के मामलों पर भरोसा देते हुए कहा कि अगर कहीं किसी राज्य में कार्रवाई में कमी की शिकायत है तो उन मामलों की सूची सौंपे। ऐसे मामलों की जांच कर कार्रवाई होगी।

सावरकर मुद्दे को लेकर फडणवीस ने राहुल गांधी और उद्धव ठाकरे पर निशाना साधा

नागपुर। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को हिंदुवादी विचारक दिवंगत वी.डी. सावरकर पर की गई आलोचनात्मक टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि भारत में पैदा हुए कुछ लोगों को इसके इतिहास के बारे में कोई जानकारी नहीं है। उद्धव ठाकरे द्वारा की गई बेकार टिप्पणी को लेकर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि मैं एक बुलेट (कारतूस) हूं और मैं झुकूंगा नहीं, बल्कि छेदूंगा। फडणवीस अपने गृहनगर नागपुर में सावरकर गौरव यात्रा के समापन कार्यक्रम में एक सभा को संबोधित कर रहे थे। दया याचिका के मुद्दे पर सावरकर पर कई बार हमला करने वाले गांधी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत में पैदा हुए कुछ लोगों को इसके इतिहास या उस समय के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

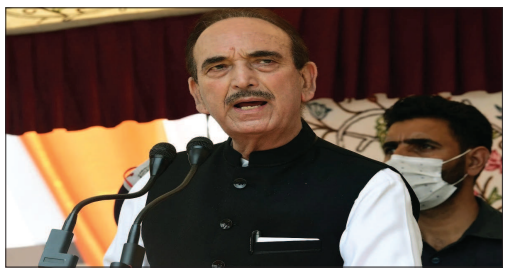

गुलाम नबी आजाद ने फिर की मोदी की तरीफ, कहा- प्रधानमंत्री मेहनती हैं, हम नींद से उठकर गालियां नहीं देते

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रहे और पूर्व केंद्रीय मंत्री गुलाम नबी आजाद ने एक बार फिर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि इसमें कोई शक नहीं है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काफी मेहनती हैं। साथ ही साथ उन्होंने यह भी कहा कि हम मोदी और भाजपा की अगर आलोचना करते हैं तो तारीफ भी करते हैं। हम 24 घंटे नींद से उठकर मोदी और भाजपा को गालियां नहीं देते। विदेश नीति में दुनिया विफल हो गई परन्तु भारत सफल हुआ है। दुनिया के सारे देश लड़ रहे हैं और हम शांत रह गए। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ चीजों में भाजपा को सुधार करना होगा नहीं तो उनका भी कांग्रेस जैसा हाल हो सकता है। विधानसभाओं को तोड़फोड़ करने का सिलसिला बंद करना होगा।

आजाद ने कहा कि सब पार्टी को अवसर नहीं देंगे बढ़ने का उनका भी वही हाल होगा। उन्होंने कहा कि अपनी मर्जी से नेता इधर से उधर चाहते हैं लेकिन सरकार को इस में तोड़फोड़ नहीं करना चाहिए। इसके साथ ही गुलाम नबी आजाद ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में भी कुछ कमिया रही है। कांग्रेस उन गलतियों को ठीक करगी, ऐसी मेरी उम्मीद है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का एक इतिहास रहा है। संघर्ष के दिनों में वह सबसे आगे रही है। कांग्रेस के ही नेतृत्व में आजादी की लड़ाई लड़ी गई और मुझे इस बात का विश्वास है कि आज की लीडरशिप इसको ध्यान में रखेगी और एक राष्ट्रीय पार्टी का रोल अदा करेगी। उन्होंने कहा कि आज भाजपा राष्ट्रीय पार्टी है लेकिन सब लोग पूछते हैं यह दूसरी कौन नेशनल पार्टी है?

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लोकतंत्र को ठीक करना है तो इसमें दो पार्टी सिस्टम तो मिनिमम होना ही चाहिए। उन्होंने कहा कि गलतियों को सुधारना भी कांग्रेस पर उसके लीडरशिप का काम है। पूर्व कांग्रेस नेता ने कहा कि लीडरशिप की आज समस्या यह है कि जो सलाह उन्हें अच्छी लगती है वह उसे मानते हैं, जो अच्छी नहीं लगती उसे वह सीधे बुरा ही मानते हैं। उन्होंने कहा कि वह नेता नेता नहीं है जो आलोचनाओं को बर्दाश्त ना कर पाए। इससे पहले गुलाम नबी आज़ाद ने कहा था कि वह और जी23 भाजपा के करीबी हैं ऐसी बात तो बेवकूफी है। अगर जी23 बीजेपी का प्रवक्ता था तो उन्हें कांग्रेस ने सांसद क्यों बनाया? उन्हें सांसद, महासचिव और पदाधिकारी क्यों बनाया है? मैंने ही पार्टी बनाई है। बाकी लोग अभी वहीं हैं। यह दुर्भावनापूर्ण, अपरिपक्व और बचकाना आरोप है।

मायावती ने सपा को घेरा, कहा- जातिवादी द्वेष की राजनीति से बाज आए

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि यूपी के विकास व जनहित की बजाय जातिवादी द्वेष अनर्गल मुद्दों की राजनीति करना सपा का स्वभाव रहा है। बसपा मुखिया मायावती ने बुधवार को ट्वीट के माध्यम से लिखा कि सपा प्रमुख की मौजूदगी में लगाए गए अमर्यादित नारे को लेकर रामचरित मानस विवाद वाले सपा नेता पर मुकदमा होने की खबर आज सुर्खियों में है। वास्तव में यूपी के विकास व जनहित के बजाय जातिवादी द्वेष एवं अनर्गल मुद्दों की राजनीति करना सपा का स्वभाव रहा है। इतना ही नहीं बसपा प्रमुख ने सपा पर हमलावर होते हुए यहां तक कहा कि और यह हकीकत लोगों के

सामने बराबर आती रही है कि सन 1993 में कांशीराम जी ने सपा-बसपा गठबंधन मिशनरी भावना के तहत बनाई थी, किन्तु मुलायम सिंह यादव के गठबंधन का सीएम बनने के बावजूद उनकी नीयत पाक-साफ न होकर बसपा को बदनाम करने व दलित उत्पीड़न को जारी रखने की रही। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि इसी क्रम में उस दौरान अयोध्या, श्रीराम मन्दिर व अपरकास्ट समाज आदि से सम्बंधित जिन नारों को प्रचारित किया गया था वे बीएसपी को बदनाम करने की सपा की शरारत व सोची-समझी साजिश थी। अत- सपा की ऐसी हरकतों से खासकर दलितों, अन्य पिछड़ों व मुस्लिम समाज को सावधान रहने की सख्त जरूरत।

कर्नाटक में भाजपा के लोग सामूहिक पयालन कर रहे : सुरजेवाला

-पीएम मोदी अपने आखिरी हथियार का उपयोग करने वाले

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला ने केंद्र की मोदी सरकार पर आरोप लगाया हैं कि मोदी सरकार ने कर्नाटक विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी नेताओं और उम्मीदवारों के खिलाफ छापेमारी करने के लिए केंद्रीय एजेंसियों को भेजा है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि पार्टी के पास इसकी पूरी जानकारी है कि भाजपा चुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों का चयन करने में विफल है। सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि चुनावी राज्य में भाजपा में लोग (सामूहिक पलायन) पार्टी छोड़ कर जा रहे हैं।

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि हमारे पास पुख्ता जानकारी है, कि भाजपा अपने मंत्रियों के लिए अपने उम्मीदवारों का चयन नहीं कर पा रही है और विधायक सीटों पर चुनाव लड़ने से इनकार कर रहे हैं... कर्नाटक में भाजपा से बड़े पैमाने पर पलायन हो रहा है। लगभग 10 विधायक, एमएलसी, पूर्व विधायक और पूर्व एमएलसी, उनके बोर्ड और निगम अध्यक्ष दर्जनों में इस्तीफा देकर कांग्रेस में शामिल हो गए हैं।

कांग्रेस नेता सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि इसलिए, पीएम मोदी ने अपने आखिरी शस्त्रों का उपयोग करने का फैसला किया है जो बुरी तरह विफल होगा। हमारे पास जानकारी है कि कांग्रेस नेताओं, उम्मीदवारों और संभावित पार्टी उम्मीदवारों पर राज्य भर में छापेमारी करने के लिए सैकड़ों आई-टी और ईडी अधिकारियों को कर्नाटक भेजा गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी झुकेगी नहीं और पूरी ताकत से चुनाव लड़ेगी।

सुरजेवाला ने कहा कि लेकिन पीएम मोदी और उनके ईडी और आई-टी को पता होना चाहिए कि उनके नकली, धोखाधड़ी और मनगढ़ंत छापे कांग्रेस को नहीं झुका पाएंगे, जो सत्ता में आने की कगार पर है। उन्होंने दावा किया कि पार्टी कर्नाटक विधानसभा चुनाव में 150 से अधिक का आंकड़ा पार करेगी। आपका आयकर और भाजपा का ईडी विभाग कांग्रेस के रथ, जो कि जनता का रथ है, को जीत के 150 से अधिक अंक से आगे जाने से नहीं रोक सकता है और न ही रोकेगा। हम उन सभी नौकरशाहों, आईटी और ईडी के अधिकारियों से भी आह्वान करते हैं, जिन्हें हमारी जानकारी के अनुसार कल से शुरू होने वाली छापेमारी में दुरुपयोग करने की मांग की जा रही है, कि भाजपा सरकार की ओर से आप जो भी गलत काम कर रहे हैं, उसका हिसाब लिया जाएगा।

विपक्ष के नेता सिद्धारमैया ने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस की लहर है और पार्टी आराम से बहुमत के साथ सत्ता में आएगी।

उन्होंने कहा कि बहुमत के साथ कांग्रेस सत्ता में आएगी। जैसा कि सुरजेवाला ने कहा, कई विधायक, एमएलसी और बोर्ड और निगमों के अध्यक्ष भाजपा से इस्तीफा दे चुके हैं और कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। कर्नाटक में हर कोई जानता है कि लहर कांग्रेस के पक्ष में है... भाजपा आलाकमान अच्छी तरह जानता है कि कर्नाटक में भाजपा डूब रही है और वह सत्ता में नहीं आ सकती। नफरत की राजनीति और हिंदुत्व आने वाले कर्नाटक चुनाव 2023 में काम नहीं कर रहा है।

एनसीईआरटी ने दी सफाई, नहीं हटाया इतिहास की किताबों से मुगलों का चैप्टर

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एनसीईआरटी) द्वारा अपनी कक्षा 10वीं, 11वीं और 12वीं की इतिहास की पुस्तकों से मुगल इतिहास से जुड़े अध्यायों को हटाने के कथित फैसले पर उठे विवाद के बीच, एनसीईआरटी ने स्पष्ट किया है कि मुगलों पर अध्यायों को हटाया नहीं गया है। इससे पहले मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि 12वीं कक्षा की इतिहास की पाठ्यपुस्तकों के अपने संशोधित पाठ्यक्रम में, एनसीईआरटी ने मुगल साम्राज्य पर कुछ अध्यायों को हटा दिया है। 'भारतीय इतिहास के विषय-भाग द्वद्व', 'राजाओं और इतिहास' से संबंधित अध्याय; मुगल दरबार (16वीं और 17वीं शताब्दी)' को हटा दिया गया है। इस मसले पर एनसीईआरटी के निदेशक दिनेश प्रसाद सकलानी ने मीडिया को बताया कि यह झूठ है। मुगलों के इतिहास से जुड़े अध्यायों को हटाया नहीं गया है। पिछले साल एक युक्तिकरण प्रक्रिया थी, क्योंकि कोविड के कारण हर जगह छात्रों पर दबाव था। विशेषज्ञ समितियों ने कक्षा 6-12 की पुस्तकों की जांच की और सुझाव दिया कि यदि इस अध्याय को हटा दिया जाए तो इससे बच्चों के ज्ञान पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा और एक अनावश्यक बोझ हट जाएग। इस मुद्दे पर बहस अनावश्यक है। जो नहीं जानते वे पाठ्यपुस्तकों की जांच कर सकते हैं।

निदेशक दिनेश प्रसाद सकलानी ने कहा कि एनसीईआरटी 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' के अनुसार काम कर रहा है। उन्होंने कहा, 'यह ट्रांजिशन फेज है। एनईपी 2020 कॉन्टेंट लोड को कम करने की बात करता है। हम इसे लागू कर रहे हैं। स्कूली शिक्षा के लिए एनसीएफ बन रहा है, इसे जल्द ही अंतिम रूप दिया जाएगा। एनईपी के अनुसार 2024 में नई पाठ्यपुस्तकें छपेंगी। हमने मौजूदा किताबों से अभी कुछ भी नहीं हटाया है।' पाठ्यपुस्तकों में हालिया बदलाव देश भर में एनसीईआरटी पाठ्यक्रम का पालन करने वाले सभी स्कूलों पर लागू होगा।

कोरोना की रफ्तार हुई तेज, देश में नए केस 4 हजार के पार, एक्टिव मामले भी 23 हजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोरोना वायरस ने तेज रफ्तार पकड़ ली है। बीते 24 घंटे में भारत में कोरोना वायरस के 4 हजार 435 नए केस मिले हैं और एक्टिव मरीजों की संख्या 23 हजार के पार पहुंच गई है। यह 25 सितंबर 2022 के बाद पहली बार है जब एक दिन में 4 हजार से अधिक कोरोना केस देश में दर्ज हुए हैं। पिछले साल 25 सितंबर को कुल 4 हजार 777 मामले दर्ज किए गए थे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बुधवार सुबह 8 बजे तक जारी आंकड़ों के मुताबिक ताजा मामलों के साथ भारत की कोविड-19 टैली 4.47 करोड़ पहुंच गई है, वहीं 15 मौतों के साथ कोरोना से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 5 लाख 30 हजार 916 हो गई है। देश में महाराष्ट्र 4, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, पुडुचेरी और राजस्थान से 1-1 कोविड से मौतें दर्ज हुई हैं। केरल ने 4 पुरानी मौतों को कोविड सूची में जोड़ा है। ?सक्रिय कोविड मामलों की संख्या 23 हजार 91 है। सक्रिय मामले कुल संक्रमण का 0.05 प्रतिशत हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार राष्ट्रीय कोविड-19 रिकवरी दर 98.76 प्रतिशत दर्ज की गई। दैनिक सकारात्मकता दर 3.38 प्रतिशत और साप्ताहिक सकारात्मकता दर 2.79 प्रतिशत दर्ज की गई। बीमारी से उबरने वालों की संख्या बढ़कर 4 करोड़ 41लाख 79 हजार 712 हो गई है, जबकि कोरोना मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है। मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अब तक कोविड-19 टीके की 220.66 करोड़ खुराक दी जा चुकी है। देश में कोरोना के बढ़ते मरीजों को देखते हुए सरकार भी अलर्ट मोड पर आ गई है। अस्पतालों में तैयारियों का जायजा लिया जा रहा है। लोगों से सावधानी बरतने की अपील की जा रही है। सार्वजनिक स्थानों पर मास्क लगाने और शारीरिक दूरी का पालन करने के लिए कहा जा रहा है। इससे पहले मंगलवार को देश में 24 घंटे के दौरान कोरोना संक्रमण के 3641 नए केस मिले थे, जबकि 11 मरीजों की मौत हुई थी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को कहा था कि देश में ओमिक्रॉन के सब-वैरिएंट के कारण अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या में वृद्धि नहीं हुई है और चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि सतर्कता बरतने की जरूरत है।

ओवैसी का नीतीश पर फिर से निशाना, बोले- मैने सवाल पूछा तो हमें एजेंट कह रहे, मुआवजे की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में हिंसा को लेकर राजनीति जबरदस्त तरीके से जारी है। भाजपा लगातार बिहार सरकार पर हमलावर है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से हिंसा को लेकर जवाब मांग रही है तो वहीं सत्तापक्ष की ओर से हिंसा के लिए भाजपा को ही जिम्मेदार बताया जा रहा है। इन सबके बीच एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को नीतीश कुमार पर हमला करते हुए कुछ सवाल पूछे थे। हालांकि, नीतीश की पार्टी जदयू की ओर से ओवैसी को भाजपा का एजेंट तक पता दिया गया था। अब इसी को लेकर ओवैसी ने एक बार फिर से नीतीश कुमार और उनकी पार्टी पर पलटवार किया है। ओवैसी ने साफ तौर पर कहा कि मेरे सवालों का जवाब देने की बजाय मुझे एजेंट बताया जा रहा है।

अपना हमलावर रुख जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से पूछा कि जुलूस के नाम पर हिंदू संगठनों ने फसाद फैलाया और प्रशासन उन्हें रोकने में नाकामयाब रही। लेकिन मेरे सवाल का जवाब देने के बजाय वे हमें एजेंट कह रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आप अपने भतीजे को लेकर मस्जिद जाइए मुआवजे का ऐलान कीजिए। भतीजे से मतलब तेजस्वी यादव से था जो बिहार के उपमुख्यमंत्री हैं। वहीं, तेजस्वी यादव ने आज कहा कि बिहार में रामनवमी पर शोभा यात्रा निकाली गई, दो जगहों पर हिंसा हुई। सरकार इसे लेकर गंभीर है और दंगा करने वालों को पकड़ा जा रहा है..कुछ लोग गुजरात से आकर यहां किस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, उन्हें जहां जाना है वहीं दंगा हो रहा है।

भाजपा का वार

भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने कहा कि बिहार में जो हुआ वो जिसकी सरकार है वही न जिम्मेदार होगा। जब शासन अच्छा होता है तब आप श्रेय लेते हैं और जब शासन खराब होता है तब बीजेपी को श्रेय देते हैं। पुलिस दंगाइयों को पकड़ नहीं पाई और बाद में पुलिस सद्भावना मार्च निकाल रही है। उन्होंने कहा कि जब तक दंगाइयों को उल्टा नहीं टांगेंगे तब तक दंगाइयों के मन में डर पैदा नहीं होगा। दंगा का कोई धर्म नहीं होता है। इसके साथ ही शाहनवाज ने पूछा कि दंगाइयों को उल्टा टांगने पर नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव को एतराज क्यों है? क्या दंगाइयों पर फूल बरसाना चाहिए?

तेलंगाना सरकार 125 फुट ऊंची आंबेडकर प्रतिमा का उद्घाटन करेगी

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने आंबेडकर जयंती (14 अप्रैल) के मौके पर उनकी 125 फुट ऊंची प्रतिमा का भव्य स्तर पर उद्घाटन करने का फैसला किया। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में मंगलवार रात कहा गया कि राव ने विशाल आंबेडकर प्रतिमा के उद्घाटन, नए सचिवालय भवन परिसर के उद्घाटन और अन्य मुद्दों पर मंत्रियों व अधिकारियों के साथ बैठक की। विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में यह तय हुआ कि आंबेडकर की प्रतिमा पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की जाएगी। विज्ञप्ति के मुताबिक, आंबेडकर के पोते प्रकाश अंबेडकर को इस कार्यक्रम में एकमात्र मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाएगा। एक अलग विज्ञप्ति में कहा गया है कि आंबेडकर के नाम पर बने नए तेलंगाना सचिवालय भवन परिसर का उद्घाटन 30 अप्रैल को होगा। वहीं, मुख्यमंत्री ने राज्य की मुख्य सचिव शांति कुमारी को गृह लक्ष्मी योजना के लिए जल्द से जल्द रूपरेखा तैयार करने का निर्देश दिया है।

ज्योतिरादित्य ने कांग्रेस को देशद्रोही विचारधारा वाली पार्टी बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस को देशद्रोही विचारधारा वाली पाटी करार दिया है। उन्होंने राहुल गांधी पर देश के ओबीसी समुदाय का अपमान करने और अदालत पर दबाव डालने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी की अब कोई विचारधारा नहीं बची है। कांग्रेस पार्टी की केवल एक विचारधारा है और वह देशद्रोही की विचारधारा है। सिंधिया ने कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी पर देश के खिलाफ काम करने और देश के लोकतंत्र के मंदिर संसद को नहीं चलने देने का आरोप लगाते हुए कहा कि माफी मांगने से कोई व्यक्ति छोटा नहीं हो जाता है। लेकिन यहां माफी मांगने की बजाय व्यक्तिगत कानूनी लड़ाई को लोकतंत्र की कानूनी लड़ाई में बदला जा रहा है। उन्होंने राहुल गांधी द्वारा जमानत के लिए मुख्यमंत्रियों और नेताओं की फौज के साथ जाने की आलोचना करते हुए कहा कि यह राहुल गांधी और कांग्रेस के न्यायालय पर दबाव डालने और धमकी देने की विचारधारा को बताता है। उन्होंने कहा कि देश कांग्रेस की इस विचारधारा को पहचान गया है और देश की जनता ने एक बार नहीं कई बार इसका जवाब दिया है।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सदन में कांग्रेस के उप नेता के बयान की आलोचना करते हुए कहा कि, कांग्रेस राहुल गांधी को विशेष सत्कार दे रही है कांग्रेस पार्टी के लिए कुछ लोग फर्स्ट क्लास सिटिजन हैं और हम और आप थर्ड क्लास सिटिजन हैं। सिंधिया ने आगे कहा कि, यह पहली बार नहीं है जब किसी संसद की सदस्यता गई हो, पिछले 10 वर्षों में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार ऐसा कई व्यक्तियों के साथ हो चुका है। उन्होंने राहुल गांधी को याद दिलाते हुए कहा कि 2013 में मनमोहन सिंह की सरकार के समय जब तत्कालीन कानून मंत्री कपिल सिब्बल इसे लेकर अध्यादेश लाए थे, उस समय राहुल गांधी ने स्वयं यह कहा था कि इस अध्यादेश को फाड़कर कचरे की टोकरी में फेंक देना चाहिए। तो आज यह हिप्पोक्रेसी क्यों दिखाई जा रही है। कांग्रेस पार्टी को इसका जवाब देना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि जिस कांग्रेस पार्टी ने पिछड़े वर्ग को कलंकित और अपमानित करने का काम किया है।

पनामा में प्रशांत तट पर बोका चिका के पास आए भूकंप के झटके, जनहानि नहीं

पनामा सिटी । पनामा में प्रशांत तट पर बोका चिका कस्बे के पास मंगलवार को 6.3 तीव्रता का तेज भूकंप आया। अमेरिका भूगर्भीय सर्वेक्षण ने बताया कि भूकंप स्थानीय समयानुसार शाम 5 बजकर 18 मिनट पर आया और इसका केंद्र बोका चिका से लगभग 44 मील (71 किलोमीटर) दक्षिण में था। भूकंप आठ मील (13 किलोमीटर) की गहराई में आया। पनामा के असैन्य सुरक्षा कार्यालय ने बताया कि इस भूकंप के कारण किसी प्रकार का नुकसान होने की तत्काल कोई खबर नहीं मिली है, लेकिन भूकंप के झटके निकटवर्ती कोइबा द्वीप में महसूस किए गए। राष्ट्रीय असैन्य सुरक्षा निदेशक कार्लोस रुम्बो ने मीडिया को बताया कि उनके कार्यालय को किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की फिलहाल कोई जानकारी नहीं मिली है।

ईरान में 40 लाख से अधिक लोगों बारूदी सुरंगों और विस्फोटकों से खतरा

तेहरान । एक ईरानी अधिकारी ने कहा कि देश के पश्चिमी और दक्षिणी प्रांतों में 40 लाख से अधिक लोगों को बिना विस्फोट वाली बारूदी सुरंगों और विस्फोटकों से खतरा है। 1980 से 1988 तक इराक के साथ आठ साल के युद्ध के कारण ईरान में 20 मिलियन बिना विस्फोट वाली खदानें और विस्फोटक बचे हैं। ईरान के माइन एक्शन सेंटर के अध्यक्ष मोहम्मद-होसैन अमीर-अहमदी को खदान कार्रवाई में अंतर्राष्ट्रीय खदान जागरूकता और सहायता दिवस के अवसर पर यह कहते हुए उद्धृत किया गया है। विस्फोटकों को पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी सीमाओं के साथ पांच प्रांतों में फैले 42,000 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में लगाया गया है। यहां 30 लाख से अधिक का पता लगाया गया है और उन्हें हटा दिया गया है। अहमदी ने कहा कि देश में दफन खदानों और विस्फोटकों ने अब तक 8,000 से अधिक नागरिकों की जान ली है, और बेरोजगारी, प्रभावित क्षेत्रों से पलायन और पर्यावरणीय संसाधनों के विनाश का कारण बना है। यह अनुमान लगाया गया है कि अभी 60 से अधिक देशों में 110 मिलियन बारूदी सुरंगें हैं। बारूदी सुरंग नेटवर्क पर प्रतिबंध लगाने के अंतर्राष्ट्रीय अभियान के अनुसार, दुनिया भर में युद्ध या संघर्ष के बाद की स्थितियों से प्रभावित कई देशों में सालाना 4,200 से अधिक लोग जिनमें से 42 प्रतिशत बच्चे हैं, बारूदी सुरंगों और युद्ध के विस्फोटक अवशेषों (ईआरडब्ल्यू) के शिकार हो रहे हैं।

पत्नी ने पति के अंतिम संस्कार की कर ली तैयारी, पता चला पति अभी है जिंदा

कैलिफोर्निया । अमेरिकन महिला के पति ने अपनी ही पत्नी को आत्महत्या का नाटक करके बेवकूफ बना दिया। पति सिर्फ पत्नी को डराना चाहता था, इसके पीछे उसका एक नपा-तुला प्लान था। खुद पत्नी अनीसा ने ये बात बताई कि वो पति की मौत के बाद अंतिम संस्कार की तैयारियों में जुटी हुई थी, इसी बीच उसे पता चला कि जिसकी आखिरी यात्रा शुरू होने वाली है, वो तो ज़दि बैठा हुआ है, वो भी एक दूसरी महिला के साथ। ये मामला अमेरिका के कैलिफोर्निया का है। कैलिफोर्निया निवासी अनीसा रॉसी नाम की महिला ने टिकटॉक पर अपने साथ हुई अजीबोगरीब घटना के बारे में बताया। महिला ने बताया कि उसके पति टिम ने अपनी ही मौत की झूठी खबर फैलाई। जब पत्नी तक पति की आत्महत्या की खबर पहुंची, तो वो उसके अंतिम संस्कार की तैयारियों में जुट गई। इसी बीच उसे एक अजनबी का मैसेज आया कि उसका पति अभी ज़दि है और मैक्सिको में रह रहा है। अनीसा और टिम अलग-अलग रह रहे थे, लेकिन उन्हें जब पति की मौत की खबर मिली, तो वे उनकी अंतिम संस्कार की तैयारी में लग गईं। इसी बीच उन्हें पता चला कि पति की मौत हुई ही नहीं है और वो मैक्सिको में शादी करके अपनी दूसरी पत्नी के साथ रह रहा है। अनीसा पति के इस झूठ से हैरान है तो वहीं पति ने वीडियो बनाकर पत्नी के आरोपों का खंडन किया है।

मौजूदा वित्तीय वर्ष में गरीबी की जद में 40 लाख पाकिस्तानी : वर्ल्ड बैंक

इस्लामाबाद । पाकिस्तान को आर्थिक झटकों ने झकझोर कर रख दिया है। मौजूदा वित्तीय वर्ष चुनौतीपूर्ण साल बनता जा रहा है। पाकिस्तान की तंगहाली ने इस वित्तीय वर्ष में करीब 40 लाख पाकिस्तानियों को गरीबी में झोंक दिया है। यह बात वर्ल्ड बैंक ने कही है। वर्ल्ड बैंक ने इस्लामाबाद को आगाह किया है कि सार्वजनिक कर्ज संकट से बचने के लिए उसे तत्काल नए विदेशी कर्ज की व्यवस्था करनी होगी। वर्ल्ड बैंक ने पाकिस्तान को उसकी आर्थिक और कर्ज व्यवहार्यता के लिए गंभीर खतरों के बारे में चेतावनी दी है। वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट ने चालू वित्त वर्ष के लिए 29.5 फीसदी की औसत महंगाई दर के साथ सुस्त आर्थिक विकास का अनुमान लगाया है। मीडिया के अनुसार पाकिस्तान का भविष्य बेहद अनिश्चित है और अंधेरे में घिरा हुआ है। इस साल सिर्फ 0.4 प्रतिशत आर्थिक विकास और अगले वित्तीय वर्ष के लिए 2 प्रतिशत का अनुमान है। चालू वित्तीय वर्ष के लिए औसत मुद्रास्फीति दर 29.5 प्रतिशत और अगले साल के लिए 18.5 प्रतिशत अनुमानित है। इससे साबित होता है कि वार्षिक मुद्रास्फीति दर बहुत अधिक होगी। वर्ल्ड बैंक ने चेतावनी दी है कि वित्तीय वर्ष 2023 में गरीबी बढ़कर 37.2 प्रतिशत होने का अनुमान है यानी पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में अतिरिक्त 39 लाख लोग गरीबी की चपेट में आ जाएंगे। पाकिस्तान में गरीबी की गहराई और गंभीरता तेजी से बढ़ रही है। विश्व बैंक ने बड़े पैमाने पर स्थिरता लाने के लिए विश्वास बहाल करने के लिए और सार्वजनिक कर्ज संकट को टालने के लिए बाहरी ऋण को सुरक्षित करना बेहद जरूरी है। विश्व बैंक ने आयात पर प्रतिबंध लगाने के सरकार के नजरिए की आलोचना की, जिससे भरोसे को काफी नुकसान हुआ है।

केवल चीन ने की मदद, मुस्लिम दोस्त सऊदी अरब से नहीं मिली राहत

संकट के समय में पाकिस्तान को अब तक सिर्फ चीन से आर्थिक मदद हासिल हुई है। मुस्लिम दोस्त सऊदी अरब से पाकिस्तान को कोई राहत मिलती नहीं दिख रही है। सऊदी अरब ने अपनी पॉलिसी में ही बदलाव कर दिया है। नए नियमों के तहत सऊदी अरब अब किसी को बिना किसी शर्त खैरात नहीं देगा। सऊदी मंत्री पहले ही कह चुके हैं कि हम अपनी जनता पर टैक्स लगाते हैं और दूसरों से भी इसकी उम्मीद करते हैं। इससे सबसे बड़ा झटका पाकिस्तान को लगा है।

8 किमी गहराई में तैरती विचित्र मछली

-यह मछली देखी गई है जापान के पास दक्षिण-पूर्व में

सिडनी । जापान के पास दक्षिण-पूर्व में मौजूद इजु-ओगसावरा ट्रेंच के अंदर समंदर की तलहटी में तैरते हुए एक विचित्र मछली मिली है। यह मछली समुद्र के अंदर 8 किलोमीटर से ज्यादा की गहराई में तैर रही थी। इस मछली को ड्रोन से देखा गया। रोबोटिक समुद्री ड्रोन को ऊपर से वैज्ञानिक कंट्रोल कर रहे थे। अचानक 8336 मीटर यानी 27,349 फीट की गहराई में उनके कैमरे पर एक बेहद ही विचित्र मछली दिखाई दी। कैमरे के पास आकर उसने सिर्फ अपनी गुलाबी मुंह के ऊपर दो आंखें दिखाई।थोड़ी देर बाद ही वहां पर और भी वैसी मछलियां आ गईं। समुद्र ड्रोन में लगे कैमरे से जब ऊपर उसे नियंत्रित कर रहे वैज्ञानिकों ने देखा तो उनके होश उड़ गए। असल में यह प्रकार की स्नेलफिश है, जिसकी प्रजाति का नाम है स्यूडोलिपेरिस बेलावी। आमतौर पर ये मछलियां जापान में 8022 मीटर की गहराई में दिखती हैं। लेकिन इस बार इनकी गहराई बहुत ज्यादा थी। इससे पहले सबसे ज्यादा गहराई में दिखने वाली मछली का रिकॉर्ड 8178 मीटर था। वो मरियाना ट्रेंच में दिखी थी। लेकिन अब यह रिकॉर्ड इस स्नेलफिश के नाम है। इतनी गहराई में किसी मछली का सर्वाइव करना बेहद मुश्किल होता है। लेकिन ये मछलियां कर रही हैं। जिससे वैज्ञानिक हैरान हैं मिंडरू यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के डीप सी रिसर्च सेंटर और टोक्यो यूनिवर्सिटी ऑफ मरीन साइंस एंड टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिक दो महीने की समुद्री खोज पर निकले थे। ये वैज्ञानिक जापान, इजु-ओगसावरा और रूयूकू ट्रेंच में जीवों और गहराई की जांच कर रहे थे। वैज्ञानिक सबसे ज्यादा गहराई में रहने वाली मछलियों को खोज रहे थे।इतनी गहराई में रहने वाली स्नेलफिश पहली बार देखी गई है। दुनिया में स्नेलफिश की 400 प्रजातियां हैं। सब अलग-अलग तरह के समुद्री पर्यावरण में रहती हैं। कुछ छिछले पानी में तो कुछ गहरे समुद्र के अंधेरों में। इस मछली ने अपने आकार, रंग, बनावट से भी वैज्ञानिकों को हैरान किया है। डीप सी रिसर्च सेंटर के प्रोफेसर एलन जैमीसन कहते हैं कि इतनी ज्यादा गहराई में रहने वाली मछलियां काले रंग की, भद्दी, नुकीले और बड़े दांत व छोटी आंखों वाली होती हैं। लेकिन ये तो गुलाबी रंग की दिखाई दी। 8 किलोमीटर नीचे जाने के मतलब है सतह से 800 गुना ज्यादा दबाव। इतने दबाव में किसी मछली का रहना बेहद कठिन लगता है। स्नेलफिश की खास बात ये है कि उनके पास स्विम ब्लैडर्स नहीं होते।

टोरंटो में प्रदर्शनकारी शरणार्थियों के अधिकारों को लेकर प्रदर्शन करते हुए। कनाडा और अमेरिका की सीमा पार करते हुए कई लोगों की मौतें हुए हैं। उन्हीं की तस्वीरें इनके हाथों में थीं।

पाकिस्तान की जीडीपी वृद्धि में भारी गिरावट के संकेत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की जीडीपी वृद्धि में 0.4 प्रतिशत की भारी गिरावट का अनुमान लगाया है। विश्व बैंक ने चेतावनी दी है कि आईएमएफ कार्यक्रम के पूरा न होने, प्रमुख द्विपक्षीय भागीदारों से वित्तपोषण हासिल करने में विफलता और राजनीतिक अस्थिरता के चलते एक बड़े व्यापक आर्थिक संकट का विस्फोट हो सकता है। जानकारी के अनुसार एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने एक अलग रिपोर्ट में, 0.6 प्रतिशत की काफी कम जीडीपी विकास दर, 27.5 प्रतिशत तक की मुद्रास्फीति और पाकिस्तान में चल रहे विदेशी मुद्रा संकट का अनुमान लगाया है। वर्ल्ड बैंक ने कहा, देश का दृष्टिकोण प्रमुख नकारात्मक जोखिमों के अधीन है, जो कि यदि वे अमल में आते हैं, तो एक व्यापक आर्थिक संकट हो सकता है। आईएमएफ कार्यक्रम के पूरा न होने और प्रमुख द्विपक्षीय भागीदारों से अपेक्षित रोलओवर, पुनर्वित्त और नए वित्तपोषण को सुरक्षित करने में विफलता जोखिम बढ़ाती है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वर्ष के दौरान पाकिस्तान में गरीबी में एक प्रतिशत की वृद्धि के कारण लगभग चार मिलियन लोग गरीबी रेखा से नीचे आ गए। हालांकि इसके लिए निम्न मध्य-आय गरीबी रेखा पर मापी गई। गरीबी वित्त वर्ष 2022 में 36.2 प्रतिशत के मुकाबले वित्त वर्ष 2023 में 37.2 प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान है, जो वित्त वर्ष 2022 की तुलना में अतिरिक्त 3.9 मिलियन लोगों को गरीबी में धकेल रहा है। विश्व बैंक के देश के निदेशक नाजी बेहासीन ने एक सवाल के जवाब में कहा कि आईएमएफ कार्यक्रम के पुनरुद्धार के लिए बाहरी वित्तपोषण की जरूरतों को पूरा करना जरूरी था।

भारत पर हमले के लिए तुर्की ने भेजे हथियार?

दोस्त पाकिस्तान के लिए उठाए इस कदम से दुनिया भी हैरान

अंकारा (एजेंसी)। तुर्की और सीरिया में भूकंप के बाद भारत पहला ऐसा देश था जो उनकी मदद के लिए सबसे आगे खड़ा रहा। लेकिन तुर्की ने फिर एक बार दुनिया को अपना असली चेहरा दिखा दिया है। पाकिस्तान की मौजूदा स्थिति को देखते हुए ऐसा लगातार दावा किया जा रहा है कि वहां कोई भी हथियार सुरक्षित नहीं है। पाकिस्तान के पास परमाणु हथियारों का होना पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है। ऐसे में पाकिस्तान को कथित तौर पर तुर्की से पहला अकिंसी कॉम्बैट ड्रोन मिला है। लगभग छह से सात ड्रोन, जो किसी भी ऊंचाई पर क्रूज मिसाइल दाग सकते हैं, कथित तौर पर पाकिस्तानी वायु सेना को वितरित किए गए थे।

अर्थव्यवस्था भले ही 35 प्रतिशत से अधिक की मुद्रास्फीति के साथ पतन के कगार पर हो, लेकिन यह पाकिस्तान को अपने सैन्य हथियारों और उपकरणों पर अधिक खर्च करने से नहीं रोकता है। इसका प्रमाण इस्लामाबाद द्वारा अपनी वायु सेना के लिए तुर्की बकर अकिंची मानव रहित लड़ाकू हवाई वाहन (यूसीएवी) की खरीद है। अकिंसी कॉम्बैट ड्रोन की खासियतों के बारे में बात करें तो ये दुनिया का पहला ऐसा ड्रोन है जो हवा से ही क्रूज मिसाइल लॉन्च कर सकता है। इस ड्रोन के अंदर 400 किलोग्राम और बाहर 950 किलोग्राम के हथियार लगाए जा सकते हैं। इसमें तीन अलग-अलग तरीके के हथियार लगाए जा सकते हैं। तुर्की के द्वारा बनाया गया ये ड्रोन और भी कई एडवांस फीचर से लैस है।

गौरतलब है कि इस्लामाबाद अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के साथ .7 बिलियन के बेलआउट पैकेज के बारे में चर्चा कर रहा था, लेकिन ये उप हो गए हैं। पाकिस्तानी दुकानदार सस्ते दामों पर आटे की थैलियां ब्लैक में बेच रहे हैं और सैकड़ों लोग जिसे लेने के लिए लंबी-लंबी कतारों में खड़े हैं और उनमें से कुछ की जान भी जा रही है। कथित तौर पर, एक हफ्ते पहले खैबर पख्तूनख्वा के चरसड्डा में आटे के लिए भगदड़ मच गई थी। द न्यूज इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार (31 मार्च) को कराची के औद्योगिक केंद्र-SITE क्षेत्र में भगदड़ में कम से कम नौ महिलाओं और तीन बच्चों के मरने की रिपोर्ट सामने आई।

भारत के विरोध के बावजूद नहीं रुका ड्रैगन, कहा- नाम बदलना हमारे संप्रभु अधिकारों के दायरे में, ज़ंगनान चीन के क्षेत्र का हिस्सा

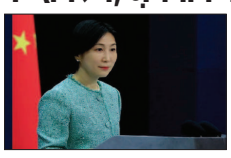

कोलंबो (एजेंसी)। भारत द्वारा अरुणाचल प्रदेश में 11 स्थानों के नाम बदलने के चीन के फैसले को दृढ़ता से खारिज करने के एक दिन बाद चीन ने कहा कि ज़ंगनान उनके देश के क्षेत्र का हिस्सा है और चीन के संप्रभु अधिकारों के भीतर है। यह पूछे जाने पर कि चीन ने अरुणाचल प्रदेश में इन स्थानों का नाम क्यों बदला, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने एएफपी को बताया कि ज़ंगनान चीन के क्षेत्र का हिस्सा है। राज्य परिषद के भौगोलिक नामों के प्रशासन की प्रासंगिक शर्तों के अनुसार, चीन के सक्षम अधिकारी सरकार ने ज़ंगनान के कुछ हिस्सों के नामों का मानकीकरण किया है। यह चीन के संप्रभु अधिकारों के भीतर है।

चीन ने अरुणाचल प्रदेश पर फिर से अपने दावे पर जोर देने के मकसद से इस भारतीय राज्य के लिए चीनी, तिब्बती, पिनयिन अक्षरों में नामों की तीसरी लिस्ट जारी की है। चीन के नागरिक मामलों के मंत्रालय ने अरुणाचल प्रदेश के लिए 11 जगहों के मानकीकृत नाम जारी किए हैं। चीन के नए लिस्ट में अरुणाचल के 11 इलाकों के नाम बदले हुए हैं। जिनमें दो जमीनी और दो रिहायिशी इलाके हैं। जबकि पांच पहाड़ियांऔर दो नदियों के नाम भी शामिल है। चीन अरुणाचल प्रदेश को दक्षिण तिब्बत का हिस्सा मानता है।

हालांकि यह पहली बार नहीं है कि चीन के नागरिक मामलों के मंत्रालय ने अरुणाचल प्रदेश के लिए मानकीकृत भौगोलिक नामों का एक बैच जारी किया है। अरुणाचल में छह स्थानों के मानकीकृत नामों का पहला बैच 2017 में जारी किया गया था, और 15 स्थानों का दूसरा बैच 2021 में जारी किया गया था।

100 सबसे प्रभावशाली महिलाओं की सूची में 5 भारतीय-अमेरिकी महिलाएं

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। पांच भारतीय-अमेरिकी महिला 100 सबसे प्रभावशाली महिलाओं की चौथी वार्षिक सूची में हैं, जिन्होंने वित्तीय-सेवा उद्योग में प्रमुखता हासिल कर इसके भविष्य को आकार देने में मदद की है। इस सूची में जेपी मॉर्गन की अनु अयंगर, एरियल इन्वेस्टमेंट्स की रूपल जे भंसाली, गोल्डमैन सैक्स ग्रुप की मीना लकड़ावाला-फ्लिन, फ्रैंकलिन टेम्पलटन की सोनल देसाई और बोफा सिक्योरिटीज की सविता सुब्रमण्यन शामिल हैं। अयंगर जेपी मॉर्गन में विलय और अधिग्रहण की वैश्विक प्रमुख हैं, एक ऐसी भूमिका जिसे उन्होंने 2020 से डिवीजन के सह-प्रमुख के रूप में सेवा देने के बाद जनवरी में ग्रहण किया था। चुनौतीपूर्ण बाजारों में नेविगेट करते समय वह ग्राहकों को विशेषज्ञता और स्थिरता के बराबर उपाय प्रदान करती हैं।बैरोन के अनुसार, उन्होंने विलय-और-अधिग्रहण क्षेत्र में नंबर ऋंचिंग, कानूनी अनुबंधों और ग्राहक संबंधों के निर्माण के अपने प्यार को इसका श्रेय दिया है। एरियल इन्वेस्टमेंट्स की वैश्विक इक्विटी रणनीति की मुख्य निवेश अधिकारी और पोर्टफोलियो प्रबंधक 55 वर्षीय भंसाली बाजार की वर्तमान स्थिति को एक उस समय के रूप में देखती हैं जब निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो को फिर से स्थापित करना चाहिए, क्योंकि अतीत में जो काम किया वह अगले दशक में काम आने की संभावना नहीं है। उनका मानना है कि उनका जन्म पैसे का मैनेज करने के लिए हुआ है और महिलाओं को फाइनेंस में काम करने के लिए प्रोत्साहित करना उनका जुनून है। 58 वर्षीय देसाई, 2018 में फ्रैंकलिन टेम्पलटन के इतिहास में पहली महिला मुख्य निवेश अधिकारी बनीं। वह 137 अरब डॉलर की संपत्ति की देखरेख करती हैं। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, ड्रेस्डनर क्लेनवॉर्ट वासरस्टीन और थेम्स रिवर कैपिटल के लिए काम करने के बाद वह 2009 में फर्म में शामिल हुई थीं।

बैरन के अनुसार, खेल के दौरान चोट के तुरंत बाद फाइनेंस में उनका करियर शुरू हुआ। वह एक उत्साही जिमनास्ट थी जो एक समय ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा करना चाहती थी। लकड़ावाला-फ्लिन को अपने घुटने को ठीक करने के लिए जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय में रहना पड़ा। उन्होंने संस्थागत इक्विटी बिक्री डेस्क पर काम करते हुए फीडमैन, बिलिंग्स, रैमसे ग्रुप में इंटर्नशिप की। सुब्रमण्यन बैंक ऑफ अमेरिका सिक्योरिटीज में अमेरिकी इक्विटी और क्वांटिटेटिव स्ट्रेटजी की प्रमुख हैं।

अरुणाचल प्रदेश को भारत के अभिन्न अंग के रूप में मान्यता देता है अमेरिका: व्हाइट हाउस

वाशिंगटन (एजेंसी)। । अमेरिका ने कहा है कि वह अरुणाचल प्रदेश को भारत के अभिन्न अंग के रूप में मान्यता देता है और क्षेत्रीय दावों के तहत स्थानीय इलाकों का नाम बदलने के किसी भी एकतरफा प्रयास का कड़ा विरोध करता है। अमेरिका की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है, जब चीन के नागरिक मामलों के मंत्रालय ने रविवार को अरुणाचल प्रदेश के 11 स्थानों के मानकीकृत नाम जारी किए थे। चीन इस क्षेत्र को दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा बताकर इस पर अपना दावा करता है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन ज्यां-पियरे ने मंगलवार को कहा, '' अमेरिका उस क्षेत्र (अरुणाचल प्रदेश) को लंबे समय से (भारत के अभिन्न अंग के रूप में) मान्यता देता रहा है। हम इलाकों का नाम बदलकर

क्षेत्रीय दावों को आगे बढ़ाने के किसी भी एकतरफा प्रयास का कड़ा विरोध करते हैं।''

अरुणाचल प्रदेश के कुछ स्थानों का चीन द्वारा पुन:नामकरण किए जाने के बीच भारत ने मंगलवार को कहा कि यह राज्य भारत का अभिन्न एवं अटूट हिस्सा है और ''मनगढ़त'' नाम रखने से यह हकीकत बदल नहीं जायेगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा, '' हमने ऐसी खबरें देखी हैं। यह पहली बार नहीं है, जब चीन ने ऐसी कोशिश की है। हम इसे सिरे से खारिज करते हैं।'' गौरतलब है कि हाल में चीन ने अरुणाचल प्रदेश के लिए ''चीनी, तिब्बती और पिनयिन'' अक्षरों में नामों की तीसरी सूची जारी की है। चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश के लिए जारी मानकीकृत भौगोलिक नामों की यह तीसरी सूची है। अरुणाचल में छह स्थानों के मानकीकृत नामों की पहली सूची 2017 में और 15 स्थानों की दूसरी सूची 2021 में जारी की गई थी। चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश के कुछ स्थानों का पुन:नामकरण ऐसे समय में किया है, जब पूर्वी लद्दाख में मई 2020 में दोनों देशों के बीच शुरू गतिरोध अभी तक समाप्त नहीं हुआ है।

हमारे राष्ट्रपति बन गए हैं युद्ध अपराधी: रहेग्लेब काराकुलोव

-पुतिन के विशिष्ट सुरक्षा दस्ते के अफसर ने युद्ध के विरोध में छोड़ा देश

मास्को (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की खुफिया व्यक्तिगत सुरक्षा सेवा के अधिकारी रहेग्लेब काराकुलोव ने युद्ध के दौरान ही उनका साथ छोड़ दिया और कजाखिस्तान से तुर्की की उड़ान भर ली। काराकुलोव ने आरोप लगाते हुए कहा कि हमारे राष्ट्रपति युद्ध अपराधी बन गए हैं। अब इस युद्ध (रूस-युक्रेन युद्ध) को समाप्त करने और शांत रहने का समय आ गया है। काराकुलोव कोई साधारण व्यक्ति नहीं हैं। वह पुतिन के उस सुरक्षा घेरे का हिस्सा थे जहां तक देश के कुछ चुनिंदा लोगों की ही पहुंच होती है। उनके पास पुतिन के जीवन के अंतरंग विवरण के साथ ही संभावित रूप से कई गोपनीय जानकारियां भी होंगी।

काराकुलोव ने बताया कि रूसी राष्ट्रपति को एक बार करिश्माई नेता के रूप में मान सकते हैं, लेकिन वो तेजी से अलग-थलग पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि वो (पुतिन) सेल फोन या इंटरनेट का उपयोग नहीं करते हैं और जहां कहीं भी जाते हैं रूसी सरकारी टेलीविजन की पहुंच पर जोर देते हैं। उन्होंने बताया कि पुतिन अब हवाई जहाज से सफर करने से बचते हैं और एक विशेष बख्तरबंद ट्रेन में यात्रा करते हैं। संघीय सुरक्षा सेवा या एफएसओ के राष्ट्रपति संचार विभाग की एक फील्ड यूनिट में इंजीनियर के रूप में काराकुलोव रूसी राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के लिए सुरक्षित संचार तंत्र स्थापित करने के लिए जिम्मेदार थे। हालांकि, वो पुतिन के विश्वासपात्र नहीं थे, लेकिन उन्होंने वर्षों राष्ट्रपति के लिये काम किया है। उन्होंने 2009 से 2022 के अंत तक पुतिन के कार्यकाल में काम किया है।

2024 के राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन के लिए 'ट्रंप कार्ड' साबित होगा ये अदालती प्रकरण?

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। न्यूयॉर्क की अदालत में डोनाल्ड ट्रम्प के आरोप ने राजनीतिक विभाजन को और अधिक बढ़ा दिया है। रिपब्लिकन सांसदों ने पूर्व राष्ट्रपति के पीछे लामबंद होकर इसे राजनीतिक अभियोग बताया है। जबकि डेमोक्रेट्स ने जोर देकर कहा कि उन पर मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त सबूत थे। यूएस कैपिटल से मंगलवार को आए कई बयानों से पता चलता है कि दोनों तरफ से जंग का आगाज हो चुका है। अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स के बीच तीखी नोंकझोंक देखने को मिल सकती है। डेमोक्रेटिक सीनेटर जैक रीड ने कहा कि अभियोग और तथ्यों के बयान की त्वरित समीक्षा करने के बाद डोनाल्ड ट्रम्प को मुकदमे में डालने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। अपराधबोध के सवाल का निर्धारण ट्रंप के साथियों की जूरी करेगी। पूरी तस्वीर को अभियोजन पक्ष द्वारा खुली अदालत में चित्रित करने की आवश्यकता होगी रिपब्लिकन कांग्रेसी जो विल्सन ने इसे अमेरिकी न्यायिक प्रणाली के विध्वंस के रूप में वर्णित किया। उन्होंने कहा कि भ्रष्ट डेमोक्रेट्स द्वारा अमेरिकी न्यायिक प्रणाली की शर्मनाक राजनीतिक तोड़फोड़ मेरी प्रारंभिक निंदा की पुष्टि करती है। विल्सन ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का झूठा मुकदमा ट्रम्प डिरेंजमेंट सिंड्रोम का एक परेशान करने वाला है, जहां आम तौर पर समझदार अधिकारी नाम सुनते ही घृणा से भर जाते हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रिहा कर दिया गया है। पॉर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स से जुड़े आपराधिक मामले में मंगलवार को मैनहैटन की अदालत में पेश होने पहुंचे ट्रंप को गिरफ्तार कर लिया गया था। दलीलें सुनने के बाद अदालत ने ट्रंप को करीब 1.22 लाख डॉलर का जुर्माना भरने का आदेश दिया। जुर्माना राशि स्टॉर्मी डेनियल्स को दी जाएगी। सुनवाई के बाद ट्रंप कोर्ट से रवाना हो गए।

संपादकीय

नींद है "सोना"

नींद भी सुखी होने के लिए बहुत कीमती हैं । क्योंकि अच्छे स्वास्थ्य के लिये नींद भी आवश्यक है । मैंने देखा है कितनों को वो अपने अच्छे स्वास्थ्य के लिये रात को नींद की दवाई लेकर सोते हैं उनको सहज रूप से नींद नहीं आती है । इसके साथ - साथ मैंने उनको भी देखा है की जिनके पास पैसा कम है दिन भर मजदूरी करके आते है रात को वो आराम से चैन की नींद सोते हैं और इसके विपरीत जिनके पास पैसे ज्यादा है वो नींद सही से ले नहीं पाते है । आज मनुष्य के पास धन, वैभव, परिवार, मकान , आदि जीवन में सुख- सुविधाओं के साधन होते हुए भी मन अशांत है मन अशांत हो तो मखमल एवं फूलों के सुख शय्या पर सोने पर भी लगेगा कांटे चुभ रहे हैं नींद नहीं है । वही मन स्वस्थ,शांत और समाधिस्थ होगा तो कहीं पर भी नींद आ जाएगी ।शांति का शुभारंभ वहीं से होता है जहां से महत्वाकांक्षा का अंत होता है। शांति के लिए जरूरी है मानवीय मूल्यों का विकास ।सत्य अहिंसा पवित्रता और नैतिकता आदि अपनाकर ही वास्तविक शांति प्राप्त कर सकते हैं। शांति का संबंध चित्तऔर मन से है, बाहर की सुख-सुविधा से नहीं , बल्कि व्यक्ति के भीतर है। शांति होगी वहाँ मानव स्थिर होकर चैन की नींद कोई भी सो सकता हैं । महात्मा गांधी का चिंतन था कि मैं उस तरह की शांति नहीं चाहता जो कब्रों में मिलती है, मैं तो उस तरह की शांति चाहता हूं, जिसका निवास मनुष्य के हृदय में है । मुस्कान हृदय की मधुरता की तरफ इशारा करती है और शान्ति मनुष्य के व्यक्तित्व की परिपक्वता की तरफ इशारा करती है और दोनों का होना मनुष्य की संपूर्णता होने का इशारा करती है 7 साधनों की सम्पन्नता से मख़मली पलंग ख़रीद सकते हैं हम नींद नही खरीद सकते है । मनुष्य की शांति के सहवास से जीवन की संपूर्णता होगी तो नींद भी सुख - चैन की आयेगी ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशिफल

मेष रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। जीविका की दिशा में उन्नति होगी। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। अकारण विवाद हो सकता है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। वाणी की असभ्यता आपको किसी संकट में डाल सकती है। खान-पान में संयम रखें।

कन्या गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ के योग हैं।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक क्षेत्र में किया गया प्रयास फलीभूत होंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलेगी।

मीन व्यावसायिक योजना सफल होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। धन हानि की संभावना है।

राजनीति के सांस्कृतिक बदलाव की धुरी बनी भाजपा

43वां स्थापना दिवस / (लेखक - विष्णु दत शर्मा)

1980 के दशक का कालखंड भारतीय राजनीति का टर्निंग प्वाइंट था, जब जनसंघ के बाद भारतीय जनता पार्टी की स्थापना हुई। स्वाधीनता मिले अभी तीन दशक ही हुए थे कि देश भ्रष्टाचार, परिवारवाद, अपराधीकरण, जातिवाद, तुष्टिकरण, आतंकवाद और आपातकाल जैसे घावों से छलनी होने लगा था। किसे पता था कि आजादी के बाद जिन्होंने राजनीति का उत्तराधिकार पाया, वे अपनी स्वार्थलिप्सा में इतने कम समय में देश को बर्बादी के कगार पर पहुंचा देंगे।वे सत्ता में बने रहने के लिए तुष्टिकरण का ऐसा भ्रमजाल फैलाएंगे कि राष्ट्रीय अस्मिता भी धूमिल हो जाएऔर राष्ट्र की सच्ची पहचान उनके क्षुद्र राजनीतिकनारों से नष्ट हो जाएगी। परन्तु तत्कालीन राष्ट्रवादी समूहों को इसका भान हो गया था और वे भारतीय राजनीति को सही दिशा देने व एक सम्यक विकल्प देने के लिए आगे आए,तब भाजपा की स्थापना हुई।

थोड़ा गहराई में विचार करनेसे पता चलता है कि अंग्रेजों के जाने के बाद भी राजनीतिक दलों ने वोट बैंक की गुलामी की एक विशेष चादर ओढ़ ली थी। उनदिनों भारत में भारतीयता की बात करना भी जैसे अपराध होता था। भारत में भारतीय संस्कृति, आध्यात्म, धर्म और उसके विविध विषयों की चर्चा को सांप्रदायिक ठहराया जाता था। ऐसी परिस्थिति में भारत की राजनीति को भारतीयता की ओर उन्मुख करने और उसके सांस्कृतिक सरोकारों कोराजनीति का केंद्र बनाने के लिए भाजपा की नींव पड़ी। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के विराट विचार को लेकर 1980 में आज ही के दिन भारतीय जनता पार्टी की विधिवत स्थापना हुई थी। जिसका एक बड़ा लक्ष्य था, भारत की एकात्मता को बचाना। अल्पसंख्यक तुष्टिकरण के द्वारा देश को खंडित होने से बचाने के लिए एकात्म मानववाद के मूल दर्शन पर चलना। एक ऐसा दर्शन जो मनुष्य और समाज के बीच कोई संघर्ष नहीं देखता, बल्कि मनुष्य के स्वाभाविक विकास-क्रम और उसकी चेतना के विस्तार से परिवार, गाँव, राज्य, देश और सृष्टि तक उसकी पूर्णता देखता है। अन्य दलों की तरह भारत को नेशन स्टेट की तरह देखने की बजाय भाजपा ने इसे राष्ट्र माना और कहा कि इसका राष्ट्रवाद सांस्कृतिक है केवल भौगोलिक नहीं।

भाजपा के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के अन्तर्गत गरीबी मिटाना केवल नारा नहीं, उसका संकल्प था। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण कोई भाषण नहीं, प्रतिबद्धता थी। कश्मीर में 370 की समाप्ति चुनावी जुमला नहीं, राष्ट्रीय एकात्मताका साक्षात संकल्प था। अब से चार दशक पहले बनी भाजपा के लिए अन्त्योदय स्लोगन नहीं, यह गरीबों का जीवन स्तर ऊंचा करने का सपना था, जिसे पार्टी के किसी भी नेतृत्व ने कभी भी देखना नहीं छोड़ा। 1980 से लेकर अब तकभाजपा के सभी नेतृत्वकर्ता इस सपने को पूर्ण करने में सक्रियरहे हैं। वे उन संकल्पों को साकार करने के लिए दिन-रात अपना श्रेष्ठतम समर्पित करते रहे हैं।वे भावी पीढ़ी को भी इन संकल्पों को साकार करने का सामर्थ्य देते हैं। शोषणमुक्त,समतायुक्त समाज की स्थापना भाजपा का चुनावी मुद्दा नहीं है, यह इसकी मूल दृष्टि है।

भारत के सांस्कृतिक मानबिन्दुओं की रक्षा हो, भारत की अखंडता का प्रश्न हो अथवा समाज को समरस रखने की चुनौती हो, सभी मुद्दों पर भाजपा विगत चार दशक से अबाध रूप से अपना संकल्प सिद्ध करती आ रही है। अपने सिद्धांतों पर चलते हुए पार्टी आज 43 साल की यात्रा पूरी कर रही है। इस यात्रा में अनेक बाधाएँ व कठिनाइयां भी आयी हैं परन्तु पार्टी अपने सिद्धांतों व आदर्शों पर अडिग रहते हुए आगे बढ़ती रही है। लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और उसकी मूल भावना का पालन करते हुए पार्टी ने देश के सभी हिस्सों में जनता का अटूट विश्वास हासिल किया है। आज लोकसभा में 303, राज्यसभा में 93, एमएलए 1420, एमएलसी 150 सहित 16 राज्यों मेंभाजपा नीत सरकारेंहैं। यह इस बात का प्रमाण है कि सारे देश ने एक दल की विचारधारा को समादृत किया है औरभाजपा के राष्ट्रवादी चिंतन से लोग जुड़ते जा रहे हैं। इसलिए स्थापना दिवस के प्रसंग में चुनावी हार जीत के आंकड़ों को दरकिनार कर भाजपा के वैचारिक विस्तार को देखना समीचीन होगा।

सन् 1980 में स्थापित पार्टीतीन दशक के अल्पकाल में ही स्वाधीनता पूर्व के दलों का राष्ट्रीय विकल्प बन गई। साथ ही उन क्षेत्रीय दलों का वर्चस्व तोड़ने में भी कामयाब हुई, जिन्होंने सामाजिक न्याय की आड़ में परिवारवाद, भ्रष्टाचार, लूट-खसोट और वोट बैंक की राजनीति को ही अपना धर्म बना लिया था। लोक लुभावन वादों की क्षणिक व स्वार्थ भरी राजनीति को भी नकारने में भाजपा ही विकल्प बनी है।पार्टी को जब-जब अवसर मिला है उसने समस्याओं के स्थाई समाधान पर ध्यान दिया है।

स्थापना के 34 वें साल में जब 2014 में देश ने श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा पर पूरी तरह भरोसा जताया, तब से भाजपा सरकार अपने सभी वादों को एक एक करके पूरा करती आ रही है। श्रीराम मंदिर निर्माण करने, कश्मीर से 370 हटाने के साथ-साथ भारत के सांस्कृतिक आध्यामिक ढांचे के युगानुकूल विकास के कार्यों को भी अमलीजामा पहना रही है। आज भारत की एकात्मता के लगभग सभी तीर्थ केंद्र विकास का नया प्रतिमान गढ़ रहे हैं। सात दशक से उपेक्षा का दंश झेल रहे हमारे आध्यात्मिक केंद्र राष्ट्रवादी दल की सरकार की प्राथमिकता में शामिल हुए हैं और अबउनका गौरव पुनर्स्थापित हो रहा है।

दरअसल, भाजपा ने चार दशक में देश की राजनीतिक संस्कृति को बदल दिया है। एक ओर जहां परिवारवादी, तुष्टिकरण और जातिवादी राजनीति का दौर समाप्त हो गया, वहीं अब धर्म-संस्कृति की बात करना सांप्रदायिक होना नहीं है। राष्ट्रवाद की चर्चा अब संकुचित मानसिकता का परिचायक नहीं है। सरकार की ओर से देवालयों का विकास करना, अब ध्रुवीकरण नहीं है। भारतीयता की बात करना और मातृभाषा में काम करना अब पिछड़ापन नहीं है। हिन्दुत्व का विचार अब सर्वग्राही बन गया है। अपनी प्रखर व प्रतिबद्ध कार्यशैली से भाजपा ने देश के राजनीतिक विमर्श को परिवर्तित करने में ऐतिहासिक सफलता पायी है।इस पड़ाव पर भाजपा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, एकात्म मानववाद तथा अपनी पंचनिष्ठाओं की नींव पर गर्व से खड़ी है। आजादी के बाद भ्रष्टाचार का घुन कब दानव बन गया पता ही नहीं चला। सभी दल भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबे हुए नजर आने लगे। पिछले नौ साल में भाजपा की मोदी सरकार ने भ्रष्टाचार को समूल नष्ट करने का जो अभियान चलाया है, उसका असर सारा देश देख रहा है। भ्रष्टाचार में लिप्त कोई भी व्यक्ति मोदी सरकार में बच नहीं सकता। सैकड़ों जेबों से होकर गुजरने वाला सरकारी धन अब सीधे गरीब के खाते में पहुंच रहा है। बिना कटौती अनाज का एक-एक दाना गरीब आदमी की झोली में जा रहा है। बिना रिश्वत के गैस कनेक्शन, प्रधानमंत्री आवास, आयुष्मान कार्ड सहित अनेक योजनाएँ आम नागरिक तक सीधे पहुंच रही हैं। डिजिटल इकोनॉमी में भारत दो साल में ही अव्वल हो गया है, तो इसका कारण यही है कि लाभ का सही हिस्सा हर खाते में सीधा हस्तांतरित हो रहा है।

वस्तुतः पार्टी नेतृत्व ने सुशासन की संस्कृति से पार्टी के अन्त्योदय के सिद्धांत को आदर्श रूप में जमीन पर उतारा है। पार्टी की सफलता का यही पैमाना है कि इसकी नीतियों का लाभ पंक्ति के अंतिम पड़ाव पर खड़े व्यक्ति को मिल रहा है। समाज के निचले पायदान पर मौजूद व्यक्ति के कल्याणका अर्थ है गरीब, किसान, ग्रामीण, महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों सहित सभी वर्गों को सुशासन का लाभ मिले। सबको शिक्षा, सबको स्वास्थ्य, सबको अन्न जब मिलता है तब सच्चे अर्थों में सुशासन का संकल्प परिलक्षित होता है।सुशासन अंततः राष्ट्र के गौरव पथ का मार्ग प्रशस्त करता है, जिस पर भारत प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में बहुत आगे निकल चुका है।

(लेखक भाजपा मध्य प्रदेश के अध्यक्ष एवं खजुराहो लोकसभा क्षेत्र से सांसद हैं।)

धान रोपाई का विकल्प अपनाने की जरूरत

डॉ. वीरेन्द्र सिंह लाठर

दुनियाभर में जल बचाने की कोशिशें जारी हैं। जल संरक्षण एक नागरिक के तौर पर भी हमारा दायित्व है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51ए (7) के मुताबिक, हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है- वनों, झीलों, नदियों, भूजल और वन्य जीवन सहित प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और सुधार करना। केन्द्रीय भूजल बोर्ड व जल आयोग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार देश की खाद्य सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण सघन कृषि क्षेत्र वाले पंजाब- हरियाणा में पिछले 50 वर्षों से लगातार धान-गेहूं फसल चक्र अपनाने के कारण भूजल स्तर आधा मीटर प्रतिवर्ष गिरा है। इन राज्यों के आधे से ज्यादा ब्लॉक गंभीर भूजल संकट में आ चुके हैं जिसे रोकने के लिए, इन राज्यों ने 2009 में 'हरियाणा और पंजाब प्रिज़र्वेशन आफ सबसॉयल वाटर एक्ट' बनाये, जिसमें 15 जून से पहले धान की रोपाई पर प्रतिबंध लगाया गया। लेकिन प्रयास निरर्थक साबित हुए हैं।वर्ष 1970 तक उत्तर भारत में शिवालिक हिमालय के साथ लगते मैदानी खादर व तराई क्षेत्रों में भूजल भूमि सतह के बिलकुल नजदीक था। लेकिन हरित क्रांति दौर की सघन कृषि तकनीक विशेष तौर पर रोपाई, धान, औद्योगीकरण और शहरीकरण आदि से भूजल का अंधाधुंध दोहन होने से गंभीर भूजल संकट बनता जा रहा है। आदिकाल से अनाज, दलहन, तिलहन आदि सभी फसलों की खेती के लिए, बत्तर खेत को तैयार करके बीज की सीधी बुआई प्रचलित तकनीक रही है। वर्ष 1966 से पहले, संयुक्त पंजाब समेत उत्तर भारत में किसान सीधी बुआई से धान की खेती करते थे। तब धान का क्षेत्र कम होने व सस्ते मजदूर मिलने के चलते निराई-गुड़ाई से खरपतवार नियंत्रण किया जाता था। लेकिन सरकार ने हरित क्रांति दौर में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए धान की उन्नत बौनी किस्मों के साथ, भूजल बर्बादी वाली खड़े पानी वाली धान रोपाई तकनीक आयात करके उत्तर भारतीय किसानों पर थोप दी। जिससे धान की पैदावार तो जरूर बढ़ी, लेकिन खेती लागत में कई गुणा बढ़ोतरी और भूजल की भयंकर बर्बादी हुई, जिससे बड़ा इलाका भूजल डार्क ज़ोन में चला गया। इस भयंकर भूजल बर्बादी को रोकने के लिए कृषि वैज्ञानिकों ने इस सदी की शुरुआत में, सूखे खेत में धान की सीधी बुआई तकनीक को प्रसारित किया जिसे किसानों ने नकार दिया। क्योंकि इस पद्धति में सिंचाई पानी की बचत नहीं होने, बुआई के तुरंत बाद सिंचाई और फिर हर 3 दिन बाद सिंचाई करने से फसल में खरपतवार बहुत हो गयी जिससे किसान परेशान हो गए। दूसरी ओर सरकार ने तकनीकी तौर पर कई कथित अव्यावहारिक योजनाओं से किसानों को भ्रमित किया। विश्व खाद्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार 150 दिन की धान फसल को मात्र 500-700 मि.ली. सिंचाई जल की आवश्यकता होती है। जिसमें आधे से ज्यादा सिंचाई जल की पूर्ति मानसून वर्षा करती है। लेकिन हरित क्रांति दौर में सरकार द्वारा अनुशंसित भूजल बर्बादी वाली रोपाई धान तकनीक में 1500-2000 मि.ली. सिंचाई जल की ज़रूरत होती है, जिससे लागत में बढ़ोतरी और ऊर्जा-भूजल की भारी बर्बादी हुई। जिसे रोकने के लिए, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान-क्षेत्रीय केन्द्र करनाल की टीम ने 2014-15 में तर-वत्तर सीधी बिजाई धान तकनीक को विकसित करके किसानों में प्रसारित किया, जिससे खरपतवार नियंत्रण आसान हुआ और पैदावार रोपाई वाले धान के बराबर ही मिलने लगी। जिसके असर से कोरोना आपदा काल 2021 में, प्रवासी मजदूरों की भारी कमी से पंजाब में किसानों ने लगभग 6 लाख हेक्टेयर यानी कुल धान क्षेत्र के 20 प्रतिशत क्षेत्र पर तर-वत्तर सीधी बुआई तकनीक से धान फसल सफलता से उगाई और प्रदेश में रिकार्ड 12.78 मिलियन टन धान का उत्पादन हुआ। इसी तरह हरियाणा के मुख्यमंत्री द्वारा 1 अप्रैल, 2023 को दी गई जानकारी के अनुसार, खरीफ-2022 में हरियाणा में किसानों ने 72,000 एकड़ से ज्यादा भूमि पर सीधी बिजाई धान तकनीक को अपनाकर 31,500 करोड़ लीटर यानी लगभग 40 लाख लीटर एकड़ भूजल की बचत की। जिसके लिए सरकार ने लगभग 30 करोड़ रुपये प्रोत्साहन राशि किसानों को बांटी। अब हरियाणा सरकार द्वारा भूजल संरक्षण के इन प्रयासों को गति देने के लिए भूजल बर्बादी वाली रोपाई धान पर प्रतिबंध लगाकर, सीधी बिजाई धान पद्धति को 7,000 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन देना चाहिए! जिससे 40 लाख लीटर प्रति एकड़ भूजल के साथ ऊर्जा (बिजली और डीजल) की भारी बचत होगी। तर-वत्तर सीधी बिजाई धान पद्धति में खेत में पानी टिकाने की ज़रूरत नहीं होने से रोपाई धान के मुकाबले लगभग 40 प्रतिशत भूजल की बचत होती है। इन कम अवधि किस्मों की कटाई मध्य सितंबर तक हो जाने से फसल अवशेष प्रबंधन में आसानी होगी , वायु प्रदूषण रोकने में मदद मिलेगी और किसान गेहूं फसल की बुआई से पहले हरी खाद के लिए 45 दिन की ढैंचा व मूंग आदि फसल लेकर भूमि की उर्वरा शक्ति को जैविक तौर पर बनाये रख सकते हैं।

विचार मंथन

कर्ज-ब्याज और बढ़ते टैक्स से कारोबारी और उद्योगपति मुसीबत में

(लेखक - सनत जैन)

केंद्र सरकार ने 31 मार्च को नई विदेश व्यापार नीति घोषित की है। इस नीति के तहत अब बिना गारंटी के 5 करोड रुपए तक का लोन एमएसएमई सूक्ष्म एवं लघु उद्यमियों को, बैंक एवं अन्य वित्तीय संस्थाओं से उपलब्ध कराया जाएगा। इसकी गारंटी सरकार लेगी। अभी इसकी अधिकतम सीमा 2 करोड़ों रुपए की थी। इसे बढ़ाकर 5 करोड़ कर दिया गया है। केंद्र सरकार का मानना है, कि क्रेडिट गारंटी योजना में सुधार करने से और लिमिट बढ़ाने से देश में सूक्ष्म लघु एवं मध्यम इकाइयों को इसका लाभ मिलेगा। कुछ राज्य सरकारें, ब्याज अनुदान देकर इस तरह की इकाइयों की मदद भी करती हैं। केंद्र सरकार ने नई विदेश व्यापार नीति घोषित की है। इसमें पहली बार छोटे निर्यातकों को सरकार ने शामिल किया है। यह केंद्र सरकार का एक अच्छा कदम है। अभी छोटे निर्यातक सामान को विदेशों में कोरियर के माध्यम से भेजते थे। उन्हें 18 फ़ीसदी का जीएसटी चुकाना पड़ता था। नई नीति की जो घोषणा सरकार ने की है। उसमें अब छोटे ई कामर्स निर्यातकों को मुख्य श्रेणी में शामिल किए जाने के कारण,अब छोटे निर्यातकों को इसका लाभ मिलेगा। भारत की संस्कृति,कला, भारतीय व्यंजन, मसाले, भारत में विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग तरीके से जो चीजें तैयार की जाती हैं। उनकी विदेशों में बड़ी मांग है। इसमें करोड़ों अरबों रुपए का व्यवसाय नहीं होता है लेकिन इसमें लाखों लोग लाखों एवं करोड़ों रुपए का निर्यात आसानी से कर पाएंगे । नई नीति में अब उन चीजों का निर्यात आसानी के साथ छोटे-छोटे कारोबारी और निर्माता कर सकेंगे। सरकार पिछले कई वर्षों से युवाओं को लोन बाँटकर कर्ज के मकड़जाल में फंसा रही है। सरकार की नीतियां, लाइसेंस प्रणाली, माल की उपलब्धता, महंगी बिजली, महंगा परिवहन,छोटी और मध्यम इकाइयों के लिए सबसे बड़ी मुसीबत पैदा करती है। इसमें जब चाहे तब उत्पादन लागत में वृद्धि हो जाती है। उनके बनाए हुए सामान एवं सेवाओं की मूल्यों में कोई वृद्धि नहीं होती है। युवा उद्यमी लोन लेकर एक ऐसे मकड़जाल में फंस जाते हैं, जिससे वह बाहर नहीं निकल पाते हैं। लोन नहीं चुका पाने की दिशा में वित्तीय संस्थान जिस तरीके से उद्यमियों पर हर माह वसूली का दबाव बनाते हैं। उससे पिछले वर्षों में सैकड़ों उद्यमियों की आत्महत्या करने की बात भी सामने आई है। बिना गारंटी के जो लोन दिया जा रहा है। इकाइयों से हर साल एक बड़ा प्रीमियम बैंकों द्वारा बीमा कंपनी के नाम पर वसूल किया जा रहा है। सक्षम परिवार, बड़ी पहुंच वाले या राजनीतिक दलों से जुड़े हुए लोगों को ही इस तरह का लोन मिल पाता है। यह भी शिकायतें बड़ी मात्रा में सुनने को मिलती हैं, कि लोन वितरण में पारदर्शिता या कार्यकुशलता का कोई पैमाना नहीं है। बिना गारंटी के लोन मे बड़े पैमाने पर घोटाले की बातें भी सामने आ रही है। बैंकों के मैनेजर की मिली भगत से कागजों में योजना बनाकर बैंक लोन दे रहे हैं। लोन देने के बाद ना तो उनकी किस्तें आती हैं, ना ही वह उद्यमी अस्तित्व में नजर आते हैं। बिना गारंटी के लोन को लेकर बड़े स्तर पर घोटाले होना शुरूहो गए हैं। जो उद्यम वास्तव में काम कर रहे हैं, वह सरकारी नीतियों तथा बढ़ती महंगाई के बोझ से परेशान होकर असफल हो रहे हैं। उद्यमियों का कहना है, कि कर्ज को लेकर सरकार को इस तरह की नीतियां बनाना चाहिए, जिससे लघु एवं मध्यम वर्ग आसानी के साथ अपने कार्यों को कर पाएं। नीतियों में स्थिरता हो। लघु एवं मध्यम इकाइयों के लिए,सामान, बिजली, कच्चा माल, और परिवहन का खर्च लगातार बढ़ता जाता है। उसको नियंत्रित कर दिया जाए, तो बड़ी तेजी के साथ भारत में एमएसएमई सेक्टर भारत की अर्थव्यवस्था को बुलंदियों में पहुंचा सकता है। वैश्विक अर्थव्यवस्था के बाद,छोटे निर्यातक बहुत बड़ी भूमिका अदा करने में सक्षम है। ऐसी स्थिति में उन्हें विदेशों में माल भेजने, विदेशों में उन्हें संरक्षण देने, जैसी नीतियां सरकार को बनानी होगी। जो माल विदेश भेजा जा रहा है। यदि उसमें आर्थिक मदद की जरूरत है, बैंक उसको फाइनेंस आसानी के साथ करे। जिस तरह की योजनाएं और नीतियां बन रही हैं। उसमें सूक्ष्म लघु एवं मध्यम इकाइयों का विकसित हो पाना बहुत मुश्किल है। पिछले वर्षों में इस तरीके की जिन इकाइयों को आर्थिक सहायता दी गई है।

चैत्र पूर्णिमा पर भगवान शिव के ग्यारहवें अवतार हनुमान का जन्म हुआ था और यह दिन हनुमान जयंती के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार हनुमान जयंती वर्ष में दो बार मनाई जाती है, पहली चैत्र मास की शुक्ल पूर्णिमा के दिन और दूसरी कार्तिक मास की कृष्ण चतुर्दशी को।

शिव के ग्यारहवें रुद्र हैं हनुमान

वाल्मीकि रामायण के अनुसान हनुमान का जन्म कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी को हुआ जबकि पुराणों में पवनसुत का जन्म चैत्र पूर्णिमा बताया गया है। वैसे अधिकांश जगहों पर चैत्र पूर्णिमा को ही मारुतिनंदन हनुमान की जयंती धूमधाम से मनाई जाती है।
स्कंदपुराण में वर्णन है कि शिव के ग्यारहवें रुद्र ही विष्णु के अवतार श्रीराम की सहायता हेतु हनुमान रूप में अवतरित हुए। भगवान शंकर ने श्री विष्णु से दास्य का वरदान प्राप्त किया था, जिसे पूर्ण करने हेतु वह अवतार लेना चाहते थे।परंतु उनके समक्ष धर्मसंकट यह था कि जिस रावण के वध हेतु वह श्रीराम की सहायता करना चाहते थे वह उनका परम भक्त था। अपने परम भक्त के विरुद्ध राम की सहायता वह आखिर कैसे करते यह प्रश्न था। रावण ने अपने दस सिरों को अर्पित कर भगवान शंकर के दस रुद्रों को संतुष्ट कर रखा था। अत- हनुमान ग्यारहवें रुद्र के रूप में अवतरित हुए और राम के सहायक बने। कलियुग में भक्तों के कष्टों को हरने में हनुमान समान दूसरा कोई देव नहीं है। वे जल्दी कृपा करते हैं। गोस्वामी तुलसीदास उनके बारे में लिखते हैं –

संकट कटे मिटे सब पीरा
जो सुमिरै हनुमत बल बीरा।

सभी देवताओं के पास अपनी-अपनी शक्तियां हैं। जैसे विष्णु के पास लक्ष्मी, महेश के पास पार्वती और ब्रह्मा के पास सरस्वती लेकिन हनुमान खुद की शक्ति से संचालित देव हैं। वे सर्वशक्तिशाली हैं लेकिन अपने आराध्य के प्रति पूर्ण समर्पित हैं। अपूर्व बलशाली होते हुए भी वे भक्ति की अनुपम मिसाल हैं। उनकी भक्ति भावना से प्रसन्ना होकर श्रीराम ने ही उन्हें वरदान दिया था कि मुझसे भी ज्यादा तुम्हारे मंदिर होंगे और लोग अपने संकटों के निवारण के लिए तुम्हारी उपासना करेंगे। हनुमान भक्तों की पुकार पर तुरंत ही उनके कष्ट हरते हैं। कलियुग में हनुमान सभी तरह के कष्टों को दूर करते हैं। वे भक्तों का हर तरह से मंगल करते हैं। वेद पुराणों में हनुमानजी को अजर-अमर कहा गया है। शास्त्रों में सप्त चिरंजीवों में हनुमान, राजा बली, महामुनि व्यास, अंगद, अश्वत्थामा, कृपाचार्य और विभीषण सम्मिलित हैं। चूंकि हनुमान सदेह इस धरा पर मौजूद हैं तो उनकी उपासना किसी भी तरह से की जाए निश्चित फलदायी होती है।

मनोकामना पूर्ण करेंगे पवनसुत

तंत्र शास्त्र के अनुसार मंगलवार के दिन हनुमान को प्रसन्ना करने के लिए कुछ उपाय सार्थक सिद्ध होते हैं। ऐसे ही कुछ उपाय-

- मंगलवार को संध्याकाल में किसी हनुमान मंदिर में जाएं और एक सरसों तेल का और शुद्ध घी का दीपक जलाएं। हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- मंगलवार की सुबह पीपल के पेड़ के नीचे सरसों के तेल का दीया जलाएं। उसके बाद पूर्व दिशा की ओर मुख करके राम नाम का जाप करें।

यदि शनि दोष से पीढ़ित हैं तो हनुमान चालीसा का पाठ करने पर शनिदेव व्यक्ति का बुरा नहीं करते हैं।

हनुमान जयंती पर करें ये उपाय

हनुमान जयंती के दिन रामायण और राम रक्षास्रोत का पाठ करने से आपको मानसिक और शारीरिक शक्ति मिलती है।
हनुमान जयंती पर उन्हें सिंदूर और चमेली का तेल चढ़ाएं। ऐसा करने से शुभ समाचार प्राप्त होंगे।
यदि व्यापार में गिरावट हो तो हनुमानजी को चोला चढ़ाने से फायदा मिलता है।
हनुमान जयंती के दिन किसी हनुमान मंदिर की छत पर लाल झंडा लगाने से हर तरह के आकस्मिक संकट से मुक्ति मिलती है।

सौभाग्य के लिए आजमाएं यह उपाय

हनुमानजी के मंत्रों का प्रयोग किसी भी शुभ मुहूर्त में मंगलवार या शनिवार को किया जा सकता है। जो व्यक्ति नौकरी, व्यवसाय, करियर, प्यार, सेहत और प्रगति की मनोकामना रखता है, उसके लिए यह प्रयोग वरदान साबित हो सकता है। अत : जिस किसी को भी अपने जीवन में हर तरफ से सफलता पाना है, उसे यह उपाय अवश्य करना चाहिए। रोजगार-ऐश्वर्य प्राप्ति के लिए हनुमत्गायत्री मंत्र की यथाशक्ति 11-21-51 माला करें। देशकाल के अनुसार हवन करें। मंत्र सिद्ध हो जाएगा। पश्चात नित्य 1 माला जपें।

ॐ नम : शिवाय ऊँ हं हनुमते श्री रामचन्द्राय नम : ।
ॐ नमो भगवते आंजनेयाय महाबलाय स्वाहा।
ॐ नमो भगवते हनुमते महारुद्राय हुं फट स्वाहा
ॐ हं पवन नंदनाय स्वाहा
ॐ नमो हरिमर्कट मर्कटाय स्वाहा।
ॐ ह्रीं आंजेनाय विद्महे, पवनपुत्राय धीमहि तन्नो : हनुमान प्रचोद्यात।।

इसलिए चढ़ाते हैं हनुमान जी को सिंदूर

रामायण में एक कथा प्रसिद्ध है कि हनुमानजी ने जानकी की मांग में सिंदूर लगा देख आश्चर्य से पूछा- माते, आपने यह लाल द्रव्य मस्तक पर क्यों लगाया है? माता जानकी ने हनुमान की इस उत्सुकता पर कहा, पुत्र, इसे लगाने से मेरे स्वामी की रक्षा होती है, वे दीर्घायु होते हैं और वे मुझ पर सदैव प्रसन्न रहते हैं। हनुमानजी ने यह सुना तो वे बहुत प्रसन्ना हुए और विचार किया कि जब अंगुलीभर सिंदूर से प्रभु की रक्षा होती है तो क्यों न पूरे शरीर पर सिंदूर लगाकर स्वामी को सुरक्षित कर दूं। उन्होंने वैसा ही किया। जब वे इस तरह श्रीराम के सामने पहुंचे तो प्रभु मुस्कुराए बिना न रह सके। हनुमान का विश्वास मां जानकी के वचनों में पक्का हो गया। तभी से हनुमान की भक्ति का स्मरण करते हुए उन्हें सिंदूर चढ़ाया जाने लगा।

शनि के प्रभाव से बचाते हैं हनुमान

रामायण से विदित होता है कि लंकापति रावण के सभी भ्राता व पुत्रों की जब मृत्यु हो रही थी तो अपने अमरत्व के लिए उसने सौरमंडल के सभी ग्रहों को अपने दरबार में कैद कर लिया था। रावण की कुंडली में शनि ही एकमात्र ऐसा ग्रह था जिसकी वक्रावस्था व योगों के कारण रावण के लिए मार्केश की स्थिति उत्पन्न हो रही थी जिसे बदलने के लिए रावण ने शनि को दरबार में उलटा लटका दिया था और यातनाएं दी थीं परंतु शनि के व्यवहारों में कोई बदलाव नहीं आया था। जब विभीषण ने हनुमान को इस बारे में में बताया तो हनुमान ने शनि को रावण की कैद से मुक्त कराया था। तभी शनिदेव ने हनुमान को वरदान दिया था कि जो भी उनकी आराधना करेगा उसे वह कष्ट नहीं पहुंचाएंगे।

हनुमान जी की पूजा कब और कैसे करें

भगवान शिव के एकादश रुद्रावतारों में से एक हैं हनुमानजी। आपका जन्म वैशाख पूर्णिमा को हुआ माना जाता है। इसी दिन हनुमान जयंती मनाई जाती है। उनके पूजन की शिवार्चन के जैसी सरल साधना विधि है। आवश्यकता के अनुसार मंत्र इत्यादि में परिवर्तन किया जाता है। पूर्णत : सात्विक रहते हुए हनुमानजी का पूजन-भजन करना चाहिए अन्यथा देव कोप भोगना पड़ सकता है।
साधारणतया हनुमान प्रतिमा को चोला चढ़ाते हैं। हनुमानजी की कृपा प्राप्त करने के लिए मंगलवार को तथा शनि महाराज की साढ़े साती, अढैया, दशा, अंतरदशा में कष्ट कम करने के लिए शनिवार को चोला चढ़ाया जाता है। साधारणतया मान्यता इन्हीं दिनों की है, लेकिन दूसरे दिनों में रवि, सोम, बुध, गुरु, शुक्र को चढ़ाने का निषेध नहीं है। चोले में चमेली के तेल में सिन्दूर मिलाकर प्रतिमा पर लेपन कर अच्छी तरह मलकर, रगड़कर चांदी या सोने का वर्क चढ़ाते हैं। इस प्रक्रिया में कुछ बातें समझने की हैं। पहली बात चोला चढ़ाने में ध्यान रखने की है। अछूते (शुद्ध) वस्त्र धारण करें। दूसरी नख से शिख तक (सृष्टि क्रम) तथा शिख से नख तक संहार क्रम होता है। सृष्टि क्रम यानी पैरों से मस्तक तक चढ़ाने में देवता सौम्य रहते हैं। संहार क्रम से चढ़ाने में देवता उग्र हो जाते हैं। यह चीज श्रीयंत्र साधना में सरलता से समझी जा सकती है। यदि कोई विशेष कामना पूर्ति हो तो पहले संहार क्रम से, जब तक कि कामना पूर्ण न हो जाए, पश्चात सृष्टि क्रम से चोला चढ़ाया जा सकता है। ध्यान रहे, पूर्ण कार्य संकल्पित हो। सात्विक जीवन, मानसिक एवं शारीरिक ब्रह्मचर्य का पालन अनिवार्य है। हनुमानजी के विग्रह का पूजन एवं यंत्र पूजन में काफी असमानताएं हैं। प्रतिमा पूजन में सिर्फ प्रतिमा का पूजन तथा यंत्र पूजन में अंग देवताओं का पूजन होता है।
हनुमान चालीसा एवं बजरंग बाण सर्वसाधारण के लिए सरल उपाय हैं। सुन्दरकांड का पाठ भी अच्छा है, समय जरूर अधिक लगता है। हनुमानजी के काफी मंत्र उपलब्ध हैं। आवश्यकता के अनुसार चुनकर साधना की जा सकती है। शाबर मंत्र भी हैं, लेकिन इनका प्रयोग गुरुदेव की देखरेख में करना उचित है। एकदम जादू से कोई सिद्धि नहीं मिलती अत : धैर्य, श्रद्धा, विश्वास से करते रहने पर देवकृपा निश्चित हो जाती है।
शास्त्रों में लिखा है- 'जपात सिद्धि-जपात सिद्धि' यानी जपते रहो, जपते रहो, सिद्धि जरूर प्राप्त होगी। कलयुग में साक्षात देव हनुमानजी हैं। हनुमानजी की साधना से अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष सभी करतलगत हो सकते हैं। इति।

हनुमानजी के 12 चमत्कारिक नाम मिटाएंगे जीवन के सारे संकट.

प्रभु श्रीराम के भक्त हनुमानजी की उपासना से जीवन के सारे संकट मिट जाते है। माना जाता है कि हनुमानजी एक ऐसे देवता है जो थोड़ी-सी प्रार्थना और पूजा से ही शीघ्र प्रसन्न होते है। इनके पूजन के लिए मंगलवार और शनिवार का दिन श्रेष्ठ हैं। इन दो दिनों के अलावा भी प्रतिदिन हनुमानजी के 12 चमत्कारिक नामों का जप करने से हर प्रकार की मनोकामनाएं पूरी हो जाती है और जीवन के सभी संकटों से मुक्ति मिल जाती है। हनुमानजी के 12 चमत्कारिक नाम

हनुमान अंजनीसुत वायुपुत्र महाबल।
रामेष्ठ फाल्गुण सखा पिंगाक्ष।
अमित विक्रम उदधिक्रमण।
सीता शोक विनाशन लक्ष्मण प्राणदाता।
दशग्रीव दर्पहा।

हनुमानजी की यह स्तुति करती है हर समस्या का निदान

हनुमानजी को बजरंगबली, पवनसुत, मारुतिनंदन, केसरीनंदन इस तरह के कई नामों से उनकी स्तुति की जाती है। श्री हनुमान जी की स्तुति जिसमें उनके बारह नामों का उल्लेख मिलता है। इन नामों के जप से भक्तों को सभी प्रकार के कष्टों से मुक्ति मिलती है। आनंद रामायण 8/3/8-11 में उल्लेखित यह स्तुति अगर आप मंगलवार या शनिवार को करते हैं तो आपको इसका फल और भी जल्दी मिलने की संभावना रहती है।

दोहा

उर प्रतीति दृढ़, सरन ह्वै, पाठ करै धरि ध्यान।
बाधा सब हर, करैं सब काम सफल हनुमान॥

स्तुति

हनुमान अंजनी सूत् वायु पुत्रो महाबल : ।
रामेष्ट : फाल्गुनसखा पिङ्गाक्षोऽमित विक्रम : ॥
उदधिक्रमणश्चैव सीता शोकविनाशन : ।
लक्ष्मणप्राणदाता च दशग्रीवस्य दर्पहा॥
एवं द्वादश नामानि कपीन्द्रस्य महात्मन : ।
सायंकाले प्रबोधे च यात्राकाले च य : पठेत॥
तस्य सर्वभयं नास्ति रणे च विजयी भवेत।

भक्तों के कष्ट हरते हैं मंगल मूर्ति मारुति नंदन पवनसुत हनुमान

हनुमान जयंती पवनपुत्र हनुमान के जन्म की प्रसंग तिथि है। हनुमान शिव के ग्यारहवें अवतार के रूप में सर्वत्र पूजनीय हैं। चूंकि शिव भी राम का स्मरण करते हैं इसलिए उनके अवतार हनुमान को भी राम नाम प्रिय है। हनुमान बल और बुद्धि के देव हैं। रामकथा उनके बिना पूरी नहीं होती। वे धर्म में इस शिक्षा के साथ हैं कि अपनी बुद्धि और बल के गर्व से दूर रहते हुए, विनम्र होकर ही संसार का आदर प्राप्त किया जा सकता है। उनका श्रद्धाभाव अतुलनीय है। मंदिरों में हनुमानजी की मूर्ति को पर्वत उठाए और राक्षस का मान मर्दन करते हुए दिखाया जाता है लेकिन राम मंदिरों में वे प्रभु चरणों में मस्तक झुकाए बैठे हैं। वे अनुपम भक्त हैं। हनुमान के संबंध में एक लोककथा है कि एक बार वे माता अंजनी को रामायण सुना रहे थे। उनकी कथा से प्रभावित माता अंजनी ने पूछा, तुम इतने शक्तिशाली हो कि तुम्हारी पूंछ के एक वार से पूरी लंका को उड़ा सकते थे, रावण को मार सकते थे और मां सीता को छुड़ाकर ला सकते हो फिर तुमने ऐसा क्यों नहीं किया? अगर तुम ऐसा करते तो युद्ध में नष्ट हुआ समय बच जाता? हनुमान विनम्रता से कहते हैं, क्योंकि राम ने कभी मुझे ऐसा करने के लिए नहीं कहा। राम के प्रति इस अगाध श्रद्धा के कारण हनुमान पूरे संसार में पूजे जाते हैं। हनुमान जयंती के दिन अगर भक्त 7 बार हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं तो उनके कष्टों का हरण होता है। हनुमान बाण से सभी तरह के तांत्रिक रोगों का नाश होता है। राम नाम मात्र से ही वे सारे मनोरथ पूरे करते हैं।

रामकथा सुनते हैं हनुमान

माना जाता है कि जहां रामकथा होती है वहां हनुमान कथा सुनने पहुंचते हैं। कहा गया है एक बार राजदरबार में श्रीराम ने हनुमान को अपने गले से मोती की माला उतार कर दी। हनुमान ने हर एक मोती को दांत से काटकर देखा और पूरी माला तोड़ दी। श्रीराम ने पूछा इतनी सुंदर माला तुमने दांत से काट-काटकर क्यों फेंक दी। हनुमान ने कहा कि प्रभु जिस वस्तु में आप नहीं वह मेरे किस काम की। तब श्रीराम ने पूछा, तुम्हारे हृदय में श्रीराम का निवास है? हनुमान ने हृदय चीरकर दिखाया कि उसमें राम, लक्ष्मण और सीता विद्यमान है। हनुमान को राम नाम प्रिय है। जहां भी रामकथा होती है वहां वे कथा श्रवण आते हैं।

हर समस्या का समाधान है हनुमानजी के पास

हनुमान जी कलयुग में जीवित देवता के रूप में माने जाते हैं। हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार हनुमान जी एकमात्र ऐसे देवता हैं, जो सशरीर इस पृथ्वी पर विचरण करते हैं, और अपने भक्तों की हर मनोकामना पूरी करते हैं। मान्यता है कि हनुमान जी का जन्म मंगलवार को हुआ था। इसीलिए मंगलवार के दिन उनकी पूजा का विशेष महत्व है। इसके अतिरिक्त शनिवार को भी हनुमान पूजा का विधान है। हनुमान जी को प्रसन्न करना बहुत सरल है। राह चलते उनका नाम स्मरण करने मात्र से ही सारे संकट दूर हो जाते हैं। मानव जीवन का सबसे बड़ा दुख भय है और जो साधक श्री हनुमान जी का नाम स्मरण कर लेता है वह भय से मुक्ति प्राप्त कर लेता है। हनुमान जी की उपासना से बुद्धि, यश, शौर्य, साहस और आरोग्यता में वृद्धि होती है।

परेशानी दूर करने के अचूक उपाय

रोज हनुमान चालीसा और बजरंग बाण का पाठ करने वाले भक्तों को सभी सुख मिलते हैं और धन की प्राप्ति होती है। ऐसे लोगों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होती और उनकी किस्मत का सितारा चमक जाता है। सुंदरकांड श्रीरामचरितमानस का चौथा अध्याय है। यह श्रीरामचरितमानस का सबसे अधिक पढ़ा जाने वाला भाग है क्योंकि इसमें हनुमान जी के बल, बुद्धि, पराक्रम व शौर्य का वर्णन किया गया है। सुंदरकांड के पढ़ने व सुनने से मन में एक अद्भुत ऊर्जा का संचार होता है। सुंदरकांड के हर दोहा, चौपाई व शब्द में गहन अध्यात्म छुपा है, जिससे मनुष्य जीवन की हर समस्या का सामना कर सकता है। विवाहित स्त्रियां अपने पति या स्वामी की लंबी उम्र के लिए मांग में सिंदूर लगाती हैं, ठीक उसी प्रकार हनुमानजी भी अपने स्वामी श्रीराम के लिए पूरे शरीर पर सिंदूर लगाते हैं। इसलिए मंगलवार को हनुमान जी के मंदिर में जाकर उन्हें सिंदूर व चमेली का तेल अर्पित करें। आपकी मनोकामनाएं जरूर पूरी होगीं।

सोने, चांदी में भारी उछाल

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में बुधवार को सोने-चांदी की कीमतों में तेजी रही। सोने की कीमतें 61,000 रुपए के स्तर के ऊपर पहुंच गयीं। यह अब तक की सबसे ज्यादा कीमत है। इसके अलावा चांदी के दाम भी 75000 रुपए के ऊपर पहुंच गये। कमोडिटी एक्सचेंज मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर आज सोने और चांदी दोनो ही लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। सोना 61108 रुपए प्रति 10 ग्राम पर है। यह 61113 रुपए के शीर्ष स्तर पर रहा है जबकि यह 60958 रुपए के निचले स्तर पर पहुंचा। सोने में कारोबार की शुरुआत 61024 रुपए पर हुई थी। सोने के ये दाम इसके जून वायदा के लिए हैं। दूसरी ओर एमसीएक्स पर चांदी की कीमतें 400 रुपए से ज्यादा ऊपर आकर कामकाज कर रही हैं। चांदी के दाम 412 रुपए करीब 0.55 फीसदी की बढ़त के साथ 75030 रुपए प्रति किलो पर हैं। ये उच्च स्तर पर 75175 रुपए प्रति किलो और निचले स्तर पर 74905 रुपए पर हैं। चांदी के ये दाम इसके मई वायदा के लिए हैं।

ये देसी कारें, सेफ्टी के मामले में विदेशी कंपनियों से आगे

नई दिल्ली । 2014 में ग्लोबल एनसीएपी ने सुरक्षा मूल्यांकन में कई भारतीय वाहन लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। भारतीय कारों का आकलन शुरू करने के बाद, वाहनों में सुरक्षा पर अधिक ध्यान दिया गया है। हम आपको इस क्रैश टेस्ट में टॉप सेफ्टी रेटिंग वाली टॉप 5 सबसे सुरक्षित एसयूवी कारों के बारे में जानकारी दे रहे हैं। टाटा पंच इस लिस्ट में सबसे सेफ कारों में से एक हैइसे अडल्ट सेफ्टी में संभावित 17 (5 स्टार) में से 16.45 अंक मिले।एसयूवी को चाइल्ड सेफ्टी के लिए 4-स्टार रेटिंग मिली।इसके लिए कार को 49 में से 40.89 अंक मिले। महिन्द्रा एक्सयूवी300 एक आकर्षक सड़क उपस्थिति वाली एक कॉम्पैक्ट एसयूवी है जो चिकना और सुरुचिपूर्ण है।2019 में लॉन्च होने के बाद से 5-स्टार सुरक्षा रेटिंग के साथ, एक्सयूवी300 भारत में सबसे सुरक्षित वाहनों में से एक है।यह एक बंधनेवाला स्टीयरिंग कॉलम, कॉर्नर ब्रेक, 7 एयरबैग, एबीएस और ईबीडी से सुसज्जित है।इसके अलावा, एक्सयूवी300 में ईएसपी डब्ल्यू6 मॉडल से शुरू होकर उपलब्ध है।एक्सयूवी300 5-स्टार सुरक्षा रेटिंग के साथ भारत की सबसे सुरक्षित कारों में से एक है।इसने बाल रहने वालों के लिए 4-स्टार रेटिंग प्राप्त की। ग्लोबल एनसीएपी से बहुप्रतीक्षित 5-स्टार रेटिंग प्राप्त करने वाली भारत में निर्मित पहली कार टाटा नेक्सान थी। एजेंसी ने नेक्सान का क्रैश टेस्ट किया और इस एसयूवी को वयस्क रहने वालों के लिए श्रेणी में अधिकतम 17 में से 16.06 अंक प्राप्त करने के बाद 5-स्टार रेटिंग प्राप्त हुई।साथ ही, टाटा नेक्सान को चाइल्ड ऑक्युपेंट कैटेगरी के लिए संभावित 49 में से 25 की रेटिंग मिली है।अल्ट्रॉज की तरह ही नेक्सान को भी चाइल्ड ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन के लिए केवल तीन स्टार (25/49) मिले थे। मारुति सुजुकी ब्रेजा भारत में सबसे सुरक्षित मारुति कारों में से एक है।2018 के ग्लोबल एनसीएपी परीक्षण में, इसने 12.51 के स्कोर के साथ वयस्क सुरक्षा के लिए 4-स्टार रेटिंग हासिल की। यह नोट किया गया कि चालक और यात्री को प्रदान की जाने वाली सिर और गर्दन की सुरक्षा अच्छी थी, और ब्रेज़्ज़ा के बॉडीशेल का मूल्यांकन स्थिर और अतिरिक्त भार का सामना करने में सक्षम के रूप में किया गया था।ऑफ-रोड कारों की बात करें तो इस मामले में भारत की पसंदीदा महिंद्रा थार है।महिंद्रा थार को संभावित 17 अंकों में से 12.52 के साथ जीएनसीएपी से 4-स्टार रेटिंग प्राप्त हुई।परीक्षण से पता चला कि थार ने चालक और यात्री दोनों के लिए पर्याप्त छाती की सुरक्षा प्रदान की।

निवेशकों को पैसा कमाने का मौका दे रहा आरबीआई

नई दिल्ली ।

अगर आप एक निवेशक है, तब आपके लिए एक सुनहरा मौका आने वाला है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) 6 अप्रैल को एक नए पांच वर्षीय सरकारी बॉन्ड की नीलामी करने जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य फंड इकट्ठा करना है। इसलिए, अगर एक सुरक्षित निवेश की योजना बना रहे हैं, तब इस बॉन्ड में निवेश एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

आरबीआई द्वारा जारी बॉन्ड 2028 में मेच्योर होने वाले हैं, जिसके जरिए आरबीआई 8,000 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। इसके अलावा, 2033 और 2052 में मेच्योर होने वाले बॉन्ड को भी बाद के समय में लाया जाना है और तीनों बॉन्ड की नीलामी करके आरबीआई कुल 33,000 करोड़ रुपये जुटाने का इरादा रखती है। साथ ही, भारत सरकार के पास प्रत्येक सुरक्षा के लिए 2,000 करोड़ रुपये तक की अतिरिक्त सदस्यता बनने का विकल्प होगा। पांच वर्षीय सरकारी बॉन्ड के अलावा, मोदी सरकार ने हाल ही में इलेक्टोरल बॉन्ड की 26वीं खेप जारी करने की मंजूरी भी दे दी है। 3 अप्रैल से इसकी बिक्री शुरू कर दी गई है और राजनीतिक दलों को दिए जाने वाले नकद चंदे के विकल्प के रूप में इलेक्टोरल बॉन्ड पेश किया गया। बिक्री के 26वें चरण में 3 से 12 अप्रैल तक 29 अधिकृत शाखाओं के माध्यम से इलेक्टोरल बॉन्ड जारी करने और भुनाने के लिए अधिकृत किया गया है।

बता दें कि इलेक्टोरल बॉन्ड का आखिरी चरण 19 से 28 जनवरी, 2023 के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था और बॉन्ड जारी होने की तारीख से 15 दिनों के लिए वैध होगा। इसके बाद जम होने वाले बॉन्ड पर किसी भी राजनीतिक दल को कोई भुगतान नहीं किया

रिलायंस जियो ने दो अरब डॉलर का कर्ज जुटाया

मुंबई । रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) और इसकी इकाई रिलायंस जियो इन्फोकॉम ने विदेशी मुद्रा में दो अरब डॉलर का कर्ज जुटाया है। सूत्रों ने कहा कि ये कर्ज सर्वाधिक प्रतिस्पर्धी दरों पर विदेशी मुद्रा सुविधा के तहत जुटाया गया है। आरआईएल ने इससे पहले देश के सबसे बड़े सिंडिकेट ऋण के तहत तीन अरब डॉलर जुटाने के लिए समझौता किया था। यह वित्तपोषण 31 मार्च को पूरा हुआ था और इसके बाद दो अरब डॉलर जुटाए गए हैं। इस सौदे से जुड़े बैंकिंग सूत्रों ने कहा कि यह पिछले पांच वर्षों में किसी भारतीय कॉरपोरेट द्वारा जुटाया गया सबसे बड़ा सिंडिकेट सावधि ऋण है। इस सिंडिकेट में 55 ऋणदाता शामिल हैं। इनमें लगभग दो दर्जन ताइवानी बैंकों के साथ ही बैंक ऑफ अमेरिका, एचएसबीसी, एमयूएफजी, सिटी, एमएमबीसी, मिजुहो और क्रेडिट एग्रिकोल जैसे वैश्विक दिग्गजों शामिल हैं।

अरबपतियों की सूची में मुकेश अंबानी दुनिया में 9वें स्थान पर

नई दिल्ली ।

फोर्ब्स द्वारा जारी अरबप तियों की सूची में मुकेश अंबानी 9वें स्थान पर हैं। यह 2023 की सूची है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी 83।4 अरब डॉलर की अनुमानित संपति के साथ फोर्ब्स की 37वीं वार्षिक विश्व अरबपतियों की सूची 2023 में 9वें स्थान पर हैं, उन्होंने एशिया में सबसे धनी व्यक्ति के रूप में अपना स्थान बनाए रखा। अंबानी पिछले साल प्रतिष्ठित सूची में 90।7 अरब डॉलर की अनुमानित संपति के साथ 10वें स्थान पर थे। इस साल की नवीनतम सूची में अंबानी माइक्रोसॉफ्ट के स्टीव बाल्मर, गूगल के लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन, फेसबुक के मा जुकरबर्ग और डेल टेक्नोलॉजीज के माइकल डेल से ऊपर हैं। इधर गौतम अडानी भारत के दूसरे सबसे धनी व्यक्ति बने रहे, लेकिन अदानी समूह की कंपनियों के शेयर की कीमतों में हालिया गिरावट के बाद वैश्विक स्तर पर 24वें स्थान पर आ गए। उनकी कुल संपत्ति 47।2 अरब डॉलर आंकी गई थी। एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शिव नादर 25।6 अरब डॉलर की संपत्ति और 55वें वैश्विक रैंक के साथ सूची में भारतीयों में तीसरे स्थान पर हैं। जबकि फोर्ब्स की अरबपतियों की वैश्विक गिनती पिछले साल 2,668 से घटकर 2023 में 2,640 हो गई है, भारत में टैली (गणना) 2022 में 166 से बढ़कर इस साल (2023) 169 हो गई है।

क्रेडिट सुइस का यूबीएस में हो रहा विलय

- 36000 कर्मचारियों की नौकरी पर खतरा

बर्न ।

संकट में फंसे स्विट्जरलैंड के सबसे बड़े बैंकों में से एक क्रेडिट सुइस का यूबीएस में विलय होने जा रहा है। ताजा रिपोर्ट में इस बात का दावा किया गया है इससे हजारों कर्मचारियों की नौकरी जा सकती है। बता दें कि 19 मार्च को क्रेडिट सुइस के यूबीएस में विलय की खबर आई थी।अमेरिका में सिलिकॉन वैली बैंक के डूबने के बाद वैश्विक वित्तीय मंदी को रोकने के लिए 19 मार्च को स्विस सरकार ने क्रेडिट सुइस के अधिग्रहण की व्यवस्था की थी।

सूत्रों के हवाले से कहा है कि बैंक प्रबंधन 20 से 30 फीसदी कर्मचारियों की संख्या में कटौती कर सकता है।इसका मतलब है कि 25,000 से 36,000 कर्मचारियों की नौकरी पर खतरा मंडरा रहा है।जानकारी के अनुसार, अकेले स्विट्जरलैंड में 11,000 नौकरियों में कटौती की जा सकती है। हालांकि, अभी इस बात का खुलासा नहीं हुआ है कि किन पदों पर काम करने वाले कर्मचारियों की नौकरी जा सकती है। विलय से पहले यूबीएस और क्रेडिट सुइस में कर्मचारियों की संख्या क्रमशः 72,000 और 50,000 से अधिक है।यूबीएसऔर क्रेडिट सुइस स्विट्जरलैंड के अहम बैंकों में से एक हैं।इन्हें ग्लोबल सिस्टमैटिकली इंपोर्टेंट फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन की कैटेगरी में रखा गया है।यानी ये बैंक ग्लोबल इकोनॉमी के लिए काफी अहम हैं।इस वजह से इन्हें डूबने नहीं दिया जा सकता।यूबीएस के चेयरमैन कोलम केलेहर ने कहा था कि इस बिजनेस को एकीकृत करने में बड़ा जोखिम है।

क्रेडिट सुइस पर संकट तब बढ़ा, जब ग्रुप के सबसे बड़े निवेशक सऊदी नेशनल बैंक के चेयरमैन ने कहा कि वो क्रेडिट सुइस में और निवेश नहीं करेंगे।इस घोषणा के बाद यूरोपीय बाजार में बैंकिंग शेयरों में ताबड़तोड़ बिकवाली शुरू हो गई।इसके बाद क्रेडिट सुइस के डिपॉजिट संकट को टालने में स्विस नेशनल बैंक जुट गया।स्विस नेशनल बैंक ने क्रेडिट सुइस को 54 बिलियन डॉलर का लोन देने का ऐलान किया था।इसके बाद खबर आई कि यूनियन बैंक ऑफ स्विट्जरलैंड क्रेडिट सुइस का अधिग्रहण करेगा।बैंक को संकट से निकालने की प्रक्रिया के तहत यूएसबी ने अधिग्रहण करने का फैसला किया है।2008 के वित्तीय संकट के बाद से क्रेडिट सुइस पहला प्रमुख वैश्विक बैंक है जिसे इमरजेंसी लाइफलाइन दी गई है।

ये क्रेडिट सुइस के पिछले साल के पूरे खर्च का करीब आधा है।अगर बैंक में छंटनी होती है, तो इसका असर एशिया में भी नजर आ सकता है।क्योंकि दोनों बैंकों का कारोबार इस क्षेत्र में भी फैला हुआ है।मर्जर के ऐलान बाद क्रेडिट सुइस ने कहा था कि यूबीएस के साथ डील के बाद बैंकिंग सिस्टम में किसी भी तरह के बदलाव नहीं होगा।लेकिन यूरोप के दो दिग्गज बैंकों के विलय के बाद नई एंटिटी के सालाना कॉस्ट बेस में 2027 तक 800 करोड़ डॉलर से अधिक की कटौती की जाएगी।

रोजमर्रा की चीजों में उछाल, दाल आटा के बाद जीरा, लाल मिर्च, लौंग, सूखे मेवे हुए महंगे

नई दिल्ली ।

रोजमर्रा की चीजों में दिनों दिन बढ़ोतरी हो रही है। देश में दाल की बढ़ती कीमतों के बीच लाल मिर्च, जीरा, लौंग और सूखे मेवों के दामों में तेजी आ गई है। पाकिस्तान में महंगाई की मार का असर भारत के मसाला और सुखे मेवों के बाजारों पर पड़ रहा है। पिछले कुछ दिनों से सूखे मेवों और मसाला के भाव देश के कई हिस्सों में आसमान छू रहे हैं। दिल्ली के खारी बावली बाजार में अफगानिस्तान, अमेरिका सहित कई देशों के ड्राई फ्रूट्स के साथ-साथ मसाला भी महंगे हो गए हैं। पहले इस बाजार में ड्राई फ्रूट्स और मसाला सस्ती दरों पर मिल जाया करते थे, लेकिन पाकिस्तान संकट और बारिश की मार का असर इस बाजार पर भी होने लगा है। पिछले कुछ दिनों से खारी बावली बाजार में मसाला के दाम आसमान छूने लगे हैं। इस बाजार में जीरा के भाव में सबसे ज्यादा तेजी आई है। जीरा अब तक के सबसे अधिक मूल्य पर बिक रहा है।

खारी बावली के दुकानदारों का कहना है कि बारिश की वजह से जीरे की पैदावार पर असर पड़ा है। साथ ही जीरा भारत से बाहर भी कई देशों में भेजा जाता है।

खारी बावली से मसाला और सूखे मेवा खरीद कर दिल्ली के अन्य इलाकों में बेचने वाले कारोबारी नरेश कुमार कहते हैं, 'खारी बावली में जीरे की कीमतों में इतना उछाल पहले कभी नहीं देखा। पिछले साल भी जीरा इस सीजन में 400 रुपये प्रति किलो तक मिल जाया करता था, लेकिन अभी 850 से 900 रुपये प्रति किलो थोक में ही मिल रहा है। इसी तरह सूखी मिर्च पिछले साल 300 रुपये प्रति

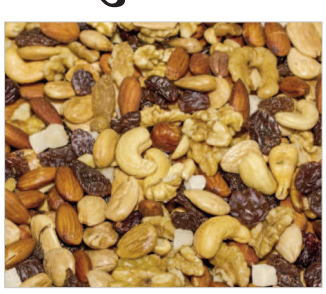

किलो तक थोक में मिला करता था, लेकिन यहां के दुकानदार इस बार 500 रुपये से कम में देने को तैयार नहीं है।' आपको बता दें कि खारी बावली दालों, मसाला और सूखे मेवों की सबसे बड़ी मंडी है। यहां एक लाइन में हजारों ड्राई फ्रूट्स और मसालों के दुकान हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 582.87 अंक करीब 0.99 फीसदी मजबूत होकर 59,689.31 अंक पर बंद हुआ। वहीं इस प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 159 अंक तकरीबन 0.91 फीसदी ऊपर आकर अंत में 17,557.05 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में 20 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। लार्सन एंड टूब्रो, एचडीएफसी, एचडीएफसी बैंक, आईटीसी और सर्न फार्मा सेंसेक्स के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे।लार्सन एंड टूब्रो के शेयर सबसे ज्यादा 3.96 फीसदी तक ऊपर आये। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 10 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडसइंड बैंक, एनटीपीसी, एसबीआई और मारुति के शेयर सबसे ज्यादा गिरे हैं। सेंसेक्स के टॉप लूजर्स रहे। सबसे अधिक नुकसान महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों को हुआ। इसके शेयर करीब 1.29 फीसदी तक गिरे हैं। वहीं इससे पहले सोमवार को बाजार तेजी के साथ 59,106.44 अंक पर बंद हुआ था। जबकि मंगलवार को महावीर जयंती के अवसर पर बाजार बंद रहा। शेयर बाजार की बुधवार को सुबह सपाट शुरुआत हुई।

गोल्ड की तरह म्यूचुअल फंड भी गिरवी रखने की हुई शुरुआत

नई दिल्ली ।

अब लोन लेने के लिए गोल्ड की तरह म्यूचुअल फंड को भी गिरवी रखने की शुरुआत हो गई है। देश की अग्रणी इंवेस्टमेंट सर्विसेज कंपनियों में से एक जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज की सहायक कंपनी और एनबीएफसी जियोजित क्रेडिट्स ने 'म्यूचुअल फंड के बदले लोन' की शुरुआत करने का ऐलान किया है। निवेशक पूरी तरह से डिजिटल तरीके से काफी कम समय में बिना किसी परेशानी के 10 हजार रुपये से ज्यादा की रकम का लोन ले सकते हैं। लोन अगेंस्ट म्यूचुअल फंड्स के जरिए निवेशक अपने म्यूचुअल फंड निवेश को गिरवी रखकर कुछ समय की अपनी लिक्विडिटी से जुड़ी जरूरत पूरी करने के लिए जियोजित ऑनलाइन क्रेडिट्स फैसिलिटी के जरिए तत्काल फंड जुटा सकते हैं।

निवेशक घर बैठे अपनी सुविधा के अनुसार म्यूचुअल फंड्स के बदले लोन ले सकते हैं और तत्काल डिस्बर्सल पा सकते हैं. म्यूचुअल फंड्स का स्वामित्व निवेशकों के पास ही रहेगा और वे उन पर रिटर्न प्राप्त करना जारी रखेंगे लेकिन लोन चुकाए बिना उन्हें रिडीम नहीं कर पाएंगे। निवेशक किसी भी समय लोन ले सकते हैं और लोन की राशि कुछ घंटों के भीतर उनके रजिस्टर्ड बैंक अकाउंट में क्रेडिट हो जाएगी।

इसमें निवेशक बिना किसी प्री-पेमेंट या फोरक्लोजर चार्ज के अपने लोन का भुगतान कर सकते हैं. निवेशक द्वारा खर्च की गई रकम पर लोन की अवधि का ही ब्याज लिया जाएगा। एलएएमएफ के लॉन्च के बारे में जियोजित क्रेडिट्स के बिजनेस हेड बेजॉय अंथ्रापर ने कहा कि थोड़े समय के लिए रुपयों की जरूरत बढ़ रही है क्योंकि मांग रफ्तार पकड़ रही है और डिजिटल ट्रांजैक्शन का विस्तार तेजी से हो रहा है। लोन अगेंस्ट म्यूचुअल फंड जैसे हमारे नए डिजिटल प्रोडक्ट से निवेशकों को बड़ी मदद मिलेगी।

अमूल के आरएस सोढ़ी संभालेंगे मुकेश अंबानी का ग्रोसरी बिजनस

नई दिल्ली ।

अमूल के पूर्व एमडी आरएस सोढ़ी अंबानी समूह के ग्रोसरी बिजनेस को संभालने जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) की रिलायंस रिटेल वेंचर्स (आरआरवीएल) ने डेयरी उद्योग के दिग्गज और गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (जीसीएमएमएफ) के पूर्व एमडी आर एस सोढ़ी को जोड़ा है। गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन जो भारत का सबसे बड़ा डेयरी ब्रांड अमूल बनाता है। इसके प्रबंध निदेशक आरएस सोढ़ी ने फेडरेशन में शामिल होने के चार दशक बाद बीते दिनों अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। सोढ़ी ने 1982 में जीसीएमएमएफ के साथ अपना सफर शुरू किया था।

हालांकि सोढ़ी और रिलायंस ने इस बारे में अभी कोई टिप्पणी नहीं की है। लेकिन सूत्रों ने टीओआई को बताया कि सोढ़ी ईशा अंबानी के रिटेल बिजनेस को अपने ग्रोसरी वर्टिकल के विकास में मदद कर सकते हैं। खासकर फलों और सब्जियों के क्षेत्र में फर्म को उपभोक्ता ब्रांडों में अपनी उपस्थिति को मजबूत कर सकते हैं। गौरतलब है कि आरआरवीएल की फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) शाखा रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स (आरसीपीएल) हाल ही में आक्रामक रूप से सेगमेंट में अपनी उपस्थिति बना रही है। कंपनी कई प्रोडक्ट को लॉन्च कर रही है। इसमें प्रतिष्ठित ब्रांड कैंपा के तहत पेय पदार्थों से लेकर होम और पर्सनल केयर के प्रोडक्ट भी शामिल हैं।

ऑनलाइन ऑर्डर पर घटिया सामान मिला तो करें 1915 पर शिकायत

नई दिल्ली ।

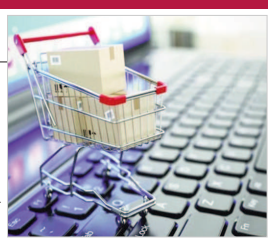

आजकल ऑनलाइन ऑर्डर पर माल मंगवाना आम बात हो गई, ले किन खराब माल की डिलेवरी होती है तो अब उपभोक्ताओं को निराश होने की आवश्यता नहीं, उन्हें 1915 नंबर पर कॉल करने की आवश्यकता है। रोजमर्रा की लाइफ में सभी लोग कुछ न कुछ सामान ऑनलाइन या ऑफलाइन खरीदते हैं। कई बार खरीदारी करते समय दुकानदार कुछ ऐसे प्रोड्क्ट ग्राहक को बेच देते हैं, जो या तो घटिया क्वालिटी के होते हैं या उनकी एक्सपायरी डेट खत्म हो चुकी होती है। इन सामनों को जब वापस करने जाओ तो कंपनी उस प्रोडक्ट को वापस लेने से भी मना कर देती है. लेकिन उपभोक्ता के पास उनके अधिकार हैं। जिससे कंपनी इन डिफेक्टिव प्रोडक्ट्स को वापस लेने या बदलने से मना नहीं कर सकती है। सरकार ने उपभोक्ताओं को समस्याओं के निवारण के लिए कई अधिकार दिए हैं। उपभोक्ताओं को जागरूक और धोखाधड़ी से निपटने के लिए नेशनल कंज्यूमर हेल्पलाइन पोर्टल की भी शुरुआत की गई थी. अगर आपको भी ऐसा लगता है आपके साथ कोई सामान खरीदते समय किसी ने धोखाधड़ी या फर्जीवाड़ा करने की कोशिश की है, तो आप शिकायत दर्ज करवा सकते हैं. उनसे हर्जाना मांगने के साथ घटिया प्रोडक्ट की जगह नया उत्पाद भी ले सकते हैं। उपभोक्ता मामलों के विभाग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ग्राहकों को हेल्पलाइन नंबर 1915 मुहैया कराता है। इस राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन के जरिये कोई भी शिकायत सुबह 8 बजे से रात 8 बजे के बीच दर्ज करा सकते हैं। इसके लिए नेशनल कंज्यूमर हेल्पलाइन यानी एनसीएच का ऐप भी है, जिससे शिकायत दर्ज कराई जा सकती है.

उमंग मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से भी उपभोक्ता अपनी कंप्लेन रजिस्टर करा सकते हैं. आप चाहें तो 8800001915 पर एसएमएस करके भी अपनी समस्याओं का समाधान पा सकते हैं. इसके अलावा कंजूमर अफेयर मिनिस्ट्री 'जागो ग्राहक जागो' नाम से एक ट्विटर अकाउंट भी चलाता है. इसके जरिये भी आप अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आया बदलाव

नई दिल्ली ।

अंतराष्ट्रीय बाजार में तेजी की कीमतों में आये उछाल का प्रभाव भारतीय बाजार पर भी पड़ा है। दुनिया भर में कच्चे तेल (क्रूड) की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। यहां तक कि ब्रेंट क्रूड 85 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच गया है। वहीं इसी बीच सरकारी तेल कंपनियों ने भी पैट्रोल-डीजल के दामों में बदलाव किया है। इससे कुछ शहरों में कीमतें बढ़ी हैं जबकि कुछ जगहों पर कम हुई हैं पर चारों महानगरों में पैट्रोल और डीजल की कीमतें पहले की तरह ही हैं। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर पर बना हुआ है।

वहीं नोएडा में पेट्रोल 15 पैसे बढ़कर 96.92 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया जबकि डीजल 14 पैसे उछलकर 90.08 रुपये प्रति लीटर पर आ गया जबकि लखनऊ में पेट्रोल की कीमतें 11 पैसे बढ़ी हैं और ये 96.68 रुपये लीटर पहुंच गया है। डीजल 11 पैसे बढ़कर 89.87 रुपये लीटर पहुंच गया। गाजियाबाद में पेट्रोल की कीमतें 32 पैसे घटी हैं और ये 96.26 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है जबकि डीजल 30 पैसे बढ़कर 89.45 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। वहीं कच्चे तेल की बात करें तो इसकी कीमतों में बढ़त आई है।ब्रेंट क्रूड का भाव उछलकर 85.29 डॉलर प्रति बैरल के भाव पहुंच गया है गाजियाबाद में पेट्रोल 96.26 रुपये और डीजल 89.45 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

एशेज में अंपायरिंग करेंगे भारत के नितिन मेनन

मुम्बई । भारतीय अंपायर नितिन मेनन इस बार एशेज सीरीज में भी अंपायरिंग करेंगे। जून में होने वाली इस एशेज सीरीज में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलियाई टीम जीत के लिए पूरी ताकत लगा देती हैं। इस ऐतिहासिक सीरीज की मेजबानी इस बार इंग्लैंड करेगा। इस दौरान पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में दर्शकों को रोमांचक खेल देखने को मिलेगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार , नितिन एशेज सीरीज में अंपायरिंग करेंगे। वह लीड्स में 6 से 10 जुलाई और मैनचेस्टर में 19 से 23 जुलाई तक खेले जाने वाले सीरीज के तीसरे और चौथे टेस्ट मैच में मैदानी अंपायर की भूमिका में नजर आयेंगे। इसके बाद नितिन 27 से 31 जुलाई तक लंदन के द ओवल मैदान पर खेले जाने वाले सीरीज के 5वें टेस्ट मैच में टीवी अंपायर की भूमिका में रहेंगे।मेनन ने कहा कि एशेज में अंपायरिंग करना हमेशा से ही उनका सपना था। उन्होंने कहा, मेरा हमेशा से सपना था कि मैं एशेज में एक दिन अंपायर की भूमिका को निभाऊं। इस सीरीज के दौरान काफी शानदार माहौल देखने को मिलता है फिर चाहे यह इंग्लैंड में खेली जाये या ऑस्ट्रेलिया में। नितिन अभी आईपीएल में अंपायरिंग कर रहे हैं। इससे पहले वह भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली गई बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में भी अंपायरिंग करते हुए नजर आए थे।

घरेलू मैदान पर आरसीबी के खिलाफ जीत दर्ज करना चाहेगी केकेआर

शाम 7.30 बजे शुरू होगा मैच

कोलकाता । (एजेंसी)

नीतीश राणा की कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) गुरुवार को यहां फाफ डुप्लेसी की रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) का मुकाबला करेगी। इस मुकाबले में केकेआर घरेलू हालातों का लाभ उठाते हुए जीत हासिल करना चाहेगी हालांकि यह उसके लिए आसान नहीं रहेगा क्योंकि आरसीबी की टीम कई स्टार खिलाड़ियों से भरी है इसके अलावा केकेआर अपने कई अहम खिलाड़ियों के बिना ही उतर रही है।केकेआर के लिए यह सत्र अब तक अच्छा नहीं रहा है। उसे शुरुआती मुकाबले में पंजाब किंग्स के खिलाफ डकवर्थ लुईस पद्धति से सात रन से हार का सामना रकना पड़ा था। वहीं अब उसे स्टार ऑलराउंडर शाकिब अल हसन का साथ भी नहं मिल रहा। शाकिब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के कारण आईपीएल से हट गये हैं। टीम इस टूर्नामेंट में अपने नियमित कप्तान और मुख्य बल्लेबाज श्रेयस अय्यर के बिना उतरी है। श्रेयस पीठ की चोट के कारण बाहर हैं। राणा अभी तक अपनी कप्तान में टीम को प्रेरित करन में सफल नहीं हुए हैं। राणा ने घरेलू क्रिकेट में कप्तानी की है और अब उन्हेंघरेलू मैदान पर अपनी टीम को वापसी करानी है। केकेआर की टीम काफी लंबे समय के बाद ईडन गार्डंस पर अपना पहला मैच खेलेगी। केकेआर ने अपने घरेलू मैदान पर अपना आखिरी मैच कोविड-19 महामारी से पहले 28 अप्रैल 2019 को खेला था। प्रशंसक दोनो टीमों के बीच होने वाले इस मुकाबले के लिए उत्साहित रहेंगे।

अय्यर की अनुपस्थिति में केकेआर के बल्लेबाजी कमजोर हो गई है ऐसे में राणा के अलावा आंद्रे रसेल और वेंकटेश अय्यर को अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी। केकेआर के मुख्य गेंदबाज टिम साउदी और सुनील नारायण पिछले मैच में रन नहीं रोक पाये जो टीम के लिए परेशानी का कारण बना। ऐसे में इस मैच में इन दोनो को कसी हुई गेंदबाजी करनी होगी।

वहीं दूसरी ओर आरसीबी के पास एक अच्छा बल्लेबाजी क्रम है जिसका लाभ उसे मिलेगा। आरसीबी की टीम में दर्शकों की नजरें विराट कोहली की बल्लेबाजी पर रहेगी। कोहली ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ पिछले मैच में नाबाद 82 रन बनाये थे। टीम के पास डुप्लेसी जैसा बल्लेबाज भी है। आरसीबी के पास गेंदबाजी में मोहम्मद सिराज, हर्षल पटेल और आकाशदीप जैसे तेज गेंदबाज भी हैं। ये ईडन गार्डंस के हालातों का लाभ उठा सकते हैं। उसे हालांकि इंग्लैंड के तेज गेंदबाज रीस टॉप्ले के बिना ही उतरना होगा। टॉप्ले के कंधे में चोट लग गई है। ऐसे में उनकी जगह डेविड विली को अवसर मिल सकता है।

टीम इस प्रकार हैं:

कोलकाता नाइट राइडर्स: नीतीश राणा (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, वेंकटेश अय्यर, आंद्रे रसेल, सुनील नारायण, शार्दुल ठाकुर, लॉकी फर्ग्यूसन, उमेश यादव, टिम साउदी, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, अनुकुल रॉय, रिंकू सिंह, एन. जगदीसन, वैभव अरोड़ा, सुयश शर्मा, डेविड वीज, कुलवंत खेजरोलिया, लिटन दास और मनदीप सिंह।

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर: फाफ डुप्लेसी (कप्तान), विराट कोहली, सुयश प्रभुदेसाई, दिनेश कार्तिक, अनुज रावत, फिन एलेन, ग्लेन मैक्सवेल, वानिंदु हसरंगा, शाहबाज़ अहमद, हर्षल पटेल, डेविड विली, कर्ण शर्मा, महिपाल लोमरोर, मोहम्मद सिराज, जोश हेजलवुड, सिद्धार्थ कौल, आकाश दीप, रीस टॉप्ले, हिमांशु शर्मा और माइकल ब्रेसवेल।

चार्ल्सटन ओपन: बडोसा ने पहले दौर में शेरिफ को पछाड़ा

चार्ल्सटन। (एजेंसी)

12वीं वरीयता प्राप्त पाउला बडोसा ने यहां चार्ल्सटन ओपन के पहले दौर में मेयर शेरिफ को 6-3, 6-1 से हराकर साल का सबसे साफ प्रदर्शन किया।चार्ल्सटन ओपन ऐतिहासिक रूप से बडोसा के लिए एक सुखद शिकार का मैदान रहा है। स्पैनियार्ड 2021 में एक सेमीफाइनलिस्ट थी, जिसने एश्ले बार्टी को परेशान करने और 2022 में क्वार्टर फाइनलिस्ट और दुनिया की नंबर 1 पर अपनी पहली जीत हासिल की। बडोसा ने कहा, इसे भूलना नामुमकिन है। मैं दुनिया में 70वें नंबर पर थी और यहीं से इसकी शुरूआत हुई।इस साल, बडोसा रैंकिंग में गिरावट को रोकने के लिए चार्ल्सटन आयी हैं। एक साल से भी कम समय पहले, उसने नंबर 2 के करियर के उच्च स्तर को छू लिया था; इस हफ्ते, वह गिरकर 29वें नंबर पर आ गई है। लेकिन वह लगातार प्रदर्शन के साथ शेरिफ के शॉटमेकिंग के खतरे को दूर करने में सक्षम थी।मेरे पास मियामी से यहां अभ्यास करने के लिए बहुत दिन थे, बडोसा ने फ्लोरिडा में एलेना रिबाकिना से हारकर तीसरे दौर में बाहर होने का जिक्र करते हुए कहा। उन्होंने आगे कहा, तो मैंने वास्तव में बहुत मेहनत की। मुझे लगता है कि मैं अच्छा खेल रही हूं। मुझे उम्मीद है कि यह यहां फिर से शुरू होगा।

नोयडा के सनी बैंसला ने अंडर 15 उत्तर प्रदेश कुश्ती चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण

(एजेंसी)

नोयडा के सनी बैंसला ने अंडर 15 उत्तर प्रदेश कुश्ती प्रतियोगिता में 75 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीत लिया है। रामाश्रय कुश्ती अकादमी, नोयडा स्टेडियम के पहलवान को स्वर्ण पदक जीतने के बाद आगामी अंडर 15 राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप के लिए चुन लिया गया है। बैंसला ने कहा, मैं आगामी प्रतियोगिता के लिए कड़ी मेहनत करूंगा। जिस तरह मैंने स्वर्ण पदक जीता, उसे देखते हुए मैं राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता के लिए कड़ी मेहनत करूंगा। इस युवा पहलवान का राष्ट्रीय कुश्ती अकादमी के मेंटर ज्ञान चंद शर्मा (एनआईएस), महासचिव राजीव शर्मा, उपाध्यक्ष विनोद पहलवान और अकादमी के अन्य पहलवानों ने स्वागत किया।

एडम और सीफर्ट के शानदार प्रदर्शन से न्यूजीलैंड ने दूसरे टी20 में श्रीलंका को हराया

डुनेडिन । (एजेंसी)

एडम मिलने की शानदार गेंदबाज 5 विकेट के बाद टिम सीफर्ट की अर्धशतकीय पारी 79 रनों की सहायता से न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 9 विकेट से हरा दिया। इस मैच में पहले खेलते हुए श्रीलंकाई टीम 19 ओवर में 141 रन पर सिमटी। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को न्यूजीलैंड टीम ने 14.4 ओवर में ही एक विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। कीवी टीम की ओर से गेंदबाज एडम ने 4 ओवर में 26 रन देकर पांच विकेट लिए। न्यूजीलैंड की टीम इस जीत के साथ ही सीरीज में 1-1 से बराबरी पर आ गयी है। अब सीरीज का फैसला शनिवार को होने वाले तीसरे मैच में होगा।

इस मैच में 142 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की ओर से सीफर्ट ने तेज शुरुआत की। उन्होंने चाड बोप्स साथ पहले विकेट के लिए 40 रन जोड़े। बोप्ज ने भी अच्छी बल्लेबाजी करते हुए केवल 15 गेंदों में 7 चौके लगाकर 31 रन बनाए। वहीं कसुन रजित ने बोप्स को पेवेलियन भेज दिया।

इसके बाद सीफर्ट ने एक छोर से रन बनाना जारी रखा। उन्होंने कप्तान टॉम लैथम 20 के साथ दूसरे विकेट के लिए एक शतकीय साझेदारी कर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। सीफर्ट ने केवल 43 गेंदों में तीन चौके और 6 छक्के की मदद से नाबाद 79 रन बनाए। वहीं श्रीलंका के लिए एकमात्र विके कसुन रजित ने लिया।

वहीं इससे पहले न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर श्रीलंकाई टीम को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। श्रीलंकाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज कुसल मेंडिस 10 रन बनाकर ही आउट हो गये। इसके बाद एडम ने पाथुम निसांका को 9 रनों पर आउट कर दिया। कुसल परेरा ने 35 और धनंजय डी सिल्वा ने 37रन बनाये। अन्य बल्लेबाजी नाकाम रहे।

संक्षिप्त समाचार

एक या दो बल्लेबाज नहीं, हार के लिए सभी दोषी: अगरकर

नई दिल्ली । आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच अजीत अगरकर ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ टीम की हार पर निराशा जताते हुए कहा कि इसके लिए एक या दो बल्लेबाजों को जिम्मेदार नहीं माना जा सकता। अगरकर के अनुसार हार के लिए सभी जिम्मेदार हैं। दिल्ली की टीम ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर केवल 162 रन ही बनाये। इस लक्ष्य को गुजरात टाइटंस ने आसानी से हासिल कर लिया। दिल्ली की ओर से कप्तान डेविड वॉर्नर ने 37 और सरफराज खान ने 30 रन बनाये पर बाकि बल्लेबाज रन नहीं बना पाये। सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ केवल सात रन ही बना पाये। अगरकर ने कहा, 'हार के लिए किसी एक या दो बल्लेबाज को दोष नहीं दे सकते क्योंकि हमारे शीर्ष क्रम में किसी भी बल्लेबाज ने अच्छा खेल नहीं दिखाया। मैं केवल इस मैच की बात नहीं कर रहा हूं। शुरुआती दोनों मैचों में बल्लेबाजों का प्रदर्शन खराब रहा है। उन्होंने कहा, 'जिन टीमों को अच्छी शुरुआत मिली आप उसका प्रदर्शन देख सकते है। हमें इसमें सुधार करना होगा। गुजरात को श्रेय मिलना चाहिए जबकि हमें सुधार की जरुरत है। उन्होंने तेज गेंदबाजों के खिलाफ वॉर्नर और पृथ्वी के संघर्ष के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'शॉ ने टेस्ट में पदार्पण पर शतक लगाया है, उसने घरेलू मैचों में काफी रन बनाए हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि आईपीएल का स्तर घरेलू क्रिकेट से ऊंचा है पर शॉ और वॉर्नर ने इस लीग में काफी रन बनाए हैं। वहीं ऑलराउंडर अक्षर पटेल से गेंदबाजी नहीं कराने के फैसले का बचाव करते हुए अगरकर ने कहा, 'पिच से तेज गेंदबाजों को ज्यादा मदद मिल रही थी। हमारे पास मिशेल मार्श के रूप में एक विकल्प है। बायें हाथ के बल्लेबाज खेल रहे थे और मैदान के एक तरफ की बाउंड्री छोटी थी इसलिए मैच के हालातों को देखकर ये फैसला लिया गया। इस मैच में हार के बाद भी अगरकर युवा विकेटकीपर बल्लेबाज अभिषेक पोरेल से काफी प्रभावित दिखे। पोरेल ने 11 गेंद की पारी में दो छक्कों की मदद से 20 रन बनाने के बाद विकेट कीपिंग में भी अच्छा प्रदर्शन किया।

प्रीमियर लीग : चेल्सी और लिवरपूल का मुकाबला बराबरी पर रहा

लंदन । प्रीमियर लीग फुटबॉल में चेल्सी और लिवरपूल के बीच गोलरहित मुकाबला बराबरी पर हा। इस मैच में दोनो ही टीमों को गोल करने के अवसर मिले पर वे उन्हें गोल में नहीं बदल पायीं। अंतरिम कोच ब्रूनो साल्टर ने भी माना है कि उनकी टीम ने कई अच्छे अवसर खोये। रीस जेम्स और काई हैवर्ट्ज दोनों के गोल बेकार गए, जिसके कारण लिवरपूल तालिका में आठवें और चेल्सी 11वें स्थान पर बने हुए हैं। अब दोनों ही टीमें अगले सत्र में यूरोप के लिए क्वालीफाई करने के लिए मुकाबला करेंगी। एक अन्य मुकाबले में ब्राइटन ने बोर्नमाउथ को 2-0 से हराया जबकि एस्टन विला ने मैनेजरलेस लीसेस्टर सिटी पर 2-1 से जीत हासिल की।

पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टी20 व एकदिवसीय सीरीज के लिए घोषित की टीम

दोनो ही प्रारुपों में कप्तानी करेंगे आजम, शाहीन भी शामिल

इस्लामाबाद । (एजेंसी)

पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड के खिलाफ इसी माह होने वाली घरेलू टी20 और एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम घोषित कर दी है। क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने दोनो ही प्रारुपों के लिए अलग-अलग टीमें घोषित की हैं पर कप्तानी बाबर आजम के पास ही रहेगीहैं। वहीं बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को भी दोनों ही टीमों में जगह दी गयी है। शाहीन चोटिल होने के कारण चार महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलेंगे। शाहीन ने हाल ही में हुए पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) से मैदान में वापसी की थी।

बाबर आजम दोनो ही प्रारुपो में कप्तान रहेंगे जबकि ऑलराउंडर शादाब खान उपकप्तान होंगे। इसके अलावा पीएसएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज इहसानुल्लाह, सईम अयूब और जमान खान जैसे युवा खिलाड़ियों को टी20आई टीम जगह मिली है, इहसानुल्लाह को भी पहली बार एकदिवसीय टीम में जगह मिली है। पाक और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबले 14 अप्रैल से 7 मई तक लाहौर, रावलपिंडी और कराची में खेले जाएंगे।

टी20 टीम : बाबर आजम (कप्तान), शादाब खान (उपकप्तान), फहीम अशरफ, फखर जमां, हारिस रऊफ, इफ्तिखार अहमद, इहसानुल्लाह, इमाद वसीम, मोहम्मद हारिस, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद रिजवान, नसीम शाह, सईम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी , शान मसूद और जमान खान

एकदिवसीय टीम : बाबर आजम (कप्तान), शादाब खान (उपकप्तान), अब्दुल्ला शफीक, फखर जमान, हारिस रऊफ, हारिस सोहेल, इहसानुल्लाह, इमाम-उल-हक, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद रिजवान, मोहम्मद वसीम जूनियर, नसीम शाह, सलमान अली आगा, शाहीन शाह अफरीदी, शान मसूद और उसामा मीर। रिजर्व खिलाड़ी: अब्बास अफरीदी, अबरार अहमद और तैय्यब ताहिर

साई सुदर्शन ने अपनी पारी परफेक्ट अंदाज में खेली: अनिल कुंबले

नई दिल्ली। (एजेंसी)

पूर्व भारतीय स्पिनर अनिल कुंबले ने साई सुदर्शन की पारी की सराहना की है जिसकी बदौलत गुजरात टाइटंस ने मंगलवार रात दिल्ली कैपिटल्स को आईपीएल मुकाबले में छह विकेट से हरा दिया। कुंबले ने कहा कि तमिलनाडु के बल्लेबाज ने अपनी पारी को परफेक्ट अंदाज में खेला। दिल्ली ने गुजरात को 163 रन का लक्ष्य दिया और गुजरात ने सुदर्शन की 48 गेंदों पर चार चौकों और दो छक्कों से सजी नाबाद 62 रन की शानदार पारी की बदौलत 11 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। 21 वर्षीय सुदर्शन ने डेविड मिलर के साथ 56 रन जोड़े। मिलर ने 16 गेंदों पर नाबाद 31 रन बनाये।जियोसिनेमा के विशेषज्ञ कुंबले ने कहा, वह एक संगठित खिलाड़ी नजर आ रहे हैं। तेज गेंदबाजी और स्विंग के खिलाफ अच्छी बल्लेबाजी। वह पहले मैच में इम्पैक्ट खिलाड़ी के तौर पर आये थे और तुरंत प्रभाव छोड़ा।कुंबले ने कहा, आज गुजरात के तीन विकेट गिर चुके थे। शुभमन गिल, रिद्धिमान साहा और उनके कप्तान हार्दिक पांड्या जल्दी आउट हो चुके थे। ऐसे समय तमिलनाडु के दोनों बल्लेबाजों विजय शंकर और सुदर्शन ने एक साझेदारी बनायी। साई सुदर्शन ने अपनी पारी का परफेक्ट अंदाज में निर्माण किया। इस बीच पूर्व भारतीय विकेटकीपर पार्थिव पटेल भी सुदर्शन की पारी से प्रभावित नजर आये। उन्होंने कहा, सुदर्शन 21 साल के हैं। वह पिछले दो साल से प्रथम श्रेणी क्रिकेट

आकाश कोरोना पॉजिटिव पाए गए, कमेंट्री से दूर रहेंगे

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा कोरोना पॉजिटिव पाये गये हैं। आकाश आईपीएल के 16 वें सत्र में कमेंट्री कर रहे थे पर अब वह ठीक होने तक अलग रहेंगे। चोपड़ा ने ट्विटर पर कहा कि उन्हें हल्के लक्षण हैं और वह कुछ दिनों के लिए कमेंट्री से दूर रहेंगे। चोपड़ा ने ट्वीट किया, कोरोना के कारण वह बोल्ड हो गये हैं। उनमें हल्के लक्षण हैं पर बाकि सभी कुछ नियंत्रण में है। उन्होंने साथ ही कहा, कुछ दिन के लिए कमेंट्री के काम से अलग रहूंगा पर मजबूती से वापसी करूंगा टाटा आईपीएल। गौरतलब है कि चोपड़ा आईपीएल के डिजिटल प्रसारक जियोसिनेमा की कमेंट्री टीम का हिस्सा हैं। वह इसके अलावा अन्य कार्यक्रमों में भी शामिल थे इसलिए आयोजक और प्रसारक उनकी सेहत पर नजर बनाये हुए हैं।

नडाल और अल्काराज मोंटे कार्लो में फ्रेंच ओपन के अभ्यास टूर्नामेंट से हटे

(एजेंसी)

22 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता स्पेन के राफेल नडाल ने मंगलवार को घोषणा की कि वह फ्रेंच ओपन के अभ्यास टूर्नामेंट मोंटे कार्लो मास्टर्स से हट रहे हैं क्योंकि अभी वह अपने कूल्हे की चोट से उबर रहे हैं। इस बीच विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज भी मांसपेशियों की परेशानी के कारण टूर्नामेंट से हट गए हैं। मोंटे कार्लो मास्टर्स 8 से 16 अप्रैल तक आयोजित होगा जिसके साथ ही क्ले कोर्ट सत्र की शुरूआत होगी। 14 बार के फ्रेंच ओपन चैंपियन नडाल को मोंटे कार्लो मास्टर्स में काफी कामयाबी मिली है।नडाल ने ट्वीट किया- मैं ऊंचे स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए अभी तक तैयार नहीं हूं। मैं अपने करियर के सबसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट मोंटे कार्लो में नहीं खेल पाऊंगा। 36 वर्षीय नडाल ने कहा कि उनकी तैयारी प्रक्रिया जारी रहेगी और वह जल्द वापसी की उम्मीद करते हैं। नडाल इस वर्ष ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में अमेरिका के मैकेंजी मैकडोनाल्ड से हारने के बाद से एक्शन से बाहर हैं। नडाल ने इस दौरान अपनी चोट को बढ़ा लिया था। स्पेनिश खिलाड़ी ने अपने बाएं पैर की चोट के कारण इंडियन वेल्स मास्टर्स और मियामी ओपन से अपना नाम वापस ले लिया था। पिछले महीने मोंटे कार्लो मास्टर्स के ड्रा समारोह में टूर्नामेंट निदेशक डेविड मैसी ने कहा था कि नडाल ने टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए साइन किया है। हालांकि नडाल ने इन दावों को खारिज करते हुए कहा था कि वह अपनी वापसी का कोई निर्दिष्ट समय नहीं बता सकते। इस बीच विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज भी मांसपेशियों की परेशानी के कारण टूर्नामेंट से हट गए हैं। स्पेन के अल्काराज ने ट्विटर पर कहा, दो महीने बाहर रहने के बाद मुझे घर लौटने की खुशी है लेकिन अफसोस इस बात का है कि मैंने मियामी में अपना आखिरी मैच मांसपेशियों में परेशानी के साथ खेला था। आज अपने डॉक्टर से मुलाकात करने और अपनी जांच कराने के बाद मैं अब मोंटे कार्लो नहीं जा पाऊंगा ताकि क्ले कोर्ट दौरा शुरू कर सकूं। उन्होंने कहा, मेरे बाएं हाथ में परेशानी है और रीढ़ की हड्डी में भी कुछ दिक्कत है जिसके लिए मुझे आराम की जरूरत है। 19 वर्षीय अल्काराज पिछले वर्ष नंबर एक बनने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने थे लेकिन पिछले सोमवार को वह सर्बिया के नोवाक जोकोविच को अपना शीर्ष स्थान गंवा बैठे।

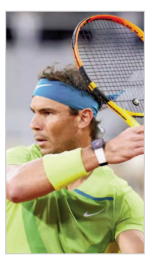

पृथ्वी की खराब बल्लेबाजी से नाराज हुए सहवाग

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने दिल्ली कैपिल्स के बाद युवा सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ की आलोचना की है। सहवाग के अनुसार उन्हें गुजरात टाइटन्स के खिलाफ मैच में पृथ्वी से अच्छी बल्लेबाजी की उम्मीद थी। इस मैच में दिल्ली को छह विकेट से मैच हार का सामना करना पड़ा था। पृथ्वी ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत में जमकर रन बनाये थे और इसी कारण माना जा रहा था कि वह सहवाग, सचिन तेंदुलकर और ब्रेन लारा जैसे खिलाड़ी बनेंगे पर पिछले कुछ समय से वह अपने फार्म को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। अब आईपीएल में भी उनका बल्ला नहीं चल रहा है। वहीं दूसरी ओर शुभमन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। इससे वह टीम इंडिया में तीनों ही प्रारुपों में एक बेहतर क्रिकेटर बनकर उभरे हैं। सहवाग ने कहा, पृथ्वी कई बार इस तरह के ही शॉट खेलकर आउट हुए हैं पर अब तो उन्हें अपनी गलतियों से सीखना चाहिए। शुभमन ने पृथ्वी के साथ ही अंडर-19 क्रिकेट खेला और अब भारत के लिए टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 खेल रहे हैं जबकि पृथ्वी अभी भी संघर्ष कर रहे हैं। उसे इस आईपीएल मंच का अधिक से अधिक लाभ उठाकर अपनी लय हासिल कर लेनी चाहिये। युवा बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ ने आईपीएल के एक सत्र में 600 रन बनाए। शुभमन भी तेजी से रन बना रहे हैं। ऐसे में पृथ्वी को भी अच्छा स्कोर बनाने का प्रयास करना चाहिये।

श्री हनुमान जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर 54 फूट ऊंची श्री हनुमान जी की प्रतिमा का अनावरण

बोटाद । सौराष्ट्र के बोटाद जिला स्थित सारंगपुर धाम में श्री हनुमान जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर श्री हनुमान जी की 54 फूट ऊंची विराट प्रतिमा का अनावरण किया गया। अब सारंगपुर धाम 'किंग ऑफ सारंगपुर' के नाम से पहचाना जाएगा। सारंगपुर स्थित संकट मोचन श्री हनुमान जी के दर्शन करने देश ही नहीं बल्कि विदेशों से श्रद्धालु आते हैं। आगामी दिनों में सारंगपुर केवल यात्राधाम नहीं बल्कि पर्यटन स्थल बने और युवा वर्ग श्री हनुमान जी के दरबार में आएं, इसलिए चार करोड़ रुपए की लागत से सारंगपुर में 54 फूट ऊंची विराट प्रतिमा का निर्माण किया गया है। श्री हनुमान जी की इस प्रतिमा के दर्शन सारंगपुर आते समय 7 किलोमीटर दूर से भी होंगे। 'किंग ऑफ सारंगपुर' प्रोजेक्ट 1.35 लाख वर्ग फूट में तैयार किया गया है। जहां 13 फूट के बेज पर श्री हनुमान जी की प्रतिमा दक्षिण मुखी स्थापित की गई है। 11900 वर्ग फूट में बावडी और एम्फी थियेटर का निर्माण किया जाएगा, जिसमें 1500 दर्शनार्थी बैठ सकेंगे। मंदिर के सामने 62 हजार वर्ग फूट क्षेत्र में भव्य गार्डन बनाया गया है। इस गार्डन में 12 हजार लोग एक साथ बैठ सकते हैं। इसके अलावा 3 लाख वर्ग फूट में 55 करोड़ रुपए की लागत से भोजनालय का निर्माण किया गया है, जहां एक साथ 10 हजार लोग बैठ सकते हैं। भोजनालय अत्याधुनिक तकनीकि से सज्ज है, जहां थर्मल बेज से रसोई तैयार होगी। भोजनालय में ऐसी मशीनरी है, जहां एक घंटे में 15 हजार लोगों की रसोई बन जाएगी। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह श्री हनुमान जन्मोत्सव यानी गुरुवार को भोजनालय का उदघाटन करेंगे। गुजरात में सबसे बड़ा हाईटेक 'श्री कष्टभंजनदेव भोजनालय' सारंगपुर में बनाया गया है। भोजनालय में 4550 वर्ग फूट में विशाल रसोई घर बनाया गया है, जहां 1 घंटे में 15 हजार से अधिक लोगों की रसोई बनाई जा सकेगी। गैस या बिजली के बगैर थर्मल बेज से रसोई बनेगी। भोजनालय में 7 डाइनिंग होल हैं। 30060 वर्ग फूट में पहले और दूसरे माले पर 2 बड़े डाइनिंग होल का निर्माण किया गया है। भोजनालय में 19 कमरे बनाए गए हैं और 5 लिफ्ट की भी व्यवस्था की गई है। भोजनालय के निर्माण में 17 लाख से अधिक 'श्रीराम' लिखी ईंटों का उपयोग किया गया है, जिसे गांधीनगर के भट्ठे में तीन महीने में बनाया गया। इसके अलावा भोजनालय में 335000 वर्गफूट में विशेष टाइल्स लगाई हैं, जिसमें 25 तीर्थधाम की मिट्टी का उपयोग किया गया है। मोरबी में तीन महीने में इन टाइल्स को बनाया गया था। भोजनालय के निर्माण में 22.75 लाख टन से भी अधिक लोहे का उपयोग कियागया है।

आरटीई के तहत पढ़ाई कर रहे बच्चों के अभिभावकों से स्कूल मांग सकते हैं आय का सर्टिफिकेट

अहमदाबाद।

राईट टू एज्यूकेशन (आरटीई) के तहत स्कूलों में पढ़ाई कर रहे बच्चों के अभिभावकों से स्कूल संचालक कभी भी आय का प्रमाण पत्र मांग सकते हैं। कई निजी स्कूलों की ओर से आरटीई के तहत पढ़ाई करने वाले बच्चों के अभिभावकों से आय का प्रमाण पत्र मांगे जाने पर अहमदाबाद जिला शिक्षा अधिकारी रोहित चौधरी ने स्पष्टता की है। रोहित चौधरी ने कहा कि कोई भी स्कूल संचालत आरटीई के तहत पढ़ाई कर रहे बच्चों के अभिभावकों को परेशान करने के उद्देश्य से आय का प्रमाण पत्र नहीं मांग सकती। लेकिन साल में एक बार या समयांतर अभिभावक से उसकी आय का प्रमाण पत्र मांग सकती है। आरटीई के तहत पढ़ाई के लिए शहरी इलाकों में रु. 1.50 लाख और ग्रामीण क्षेत्रों में रु. 1.20 लाख की आय अभिभावकों की तय की गई है। उन्होंने कहा कि एक बच्चे को आरटीई की तहत स्कूल में प्रवेश मिलने के बाद भविष्य में उसके अभिभावक की आय बढ़ने के मामले में स्कूल संचालक आय का प्रमाण पत्र मांग सकते हैं और जांच कर सकते हैं। हांलाकि अभिभावक की आय नियम से अधिक होने के मामले में बच्चे को कोई भी संचालक स्कूल से निकाल नहीं सकता, लेकिन आरटीई के तहत मिलने वाले लाभ उसे नहीं मिलेंगे। अभिभावक संबंधित स्कूल में आरटीई के तहत मिलने वाले लाभ को छोड़ उसी स्कूल में नियमित पढ़ाई करवा सकता है। गौरतलब है आरटीई के तहत राज्य सरकार वर्ष 2012 से प्राइवेट स्कूलों में कक्षा 1 में कुल संख्या में 25 प्रतिशत गरीब बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रवेश आवंटित करती है। इसके अंतर्गत कक्षा 1 से 8 तक बच्चे प्राइवेट स्कूलों में एक रुपया की फीस बगैर पढ़ाई कर सकते हैं। हांलाकि आरटीई के तहत प्रवेश पाने के बाद बच्चों के अभिभावक ने आय बढ़ने के बाद प्रवेश रद्द कराया हो ऐसा कोई मामला अब तक सामने नहीं आया। लेकिन कुछ प्राइवेट स्कूल संचालक स्वयं जांच कर कई अभिभावकों के आरटीई का गलत फायदा उठाते होने की शिकायत जिला शिक्षा अधिकारी और शिक्षा विभाग से करते रहे हैं।

बेमौसमी बारिश से राज्य में कृषि फसलों के नुकसान का सर्वे जारी : ऋषिकेश पटेल

अहमदाबाद।

मार्च महीने के दौरान गुजरात में हुई बेमौसमी बारिश से कृषि और बागायती फसलों को व्यापक नुकसान हुआ है। जारी अप्रैल महीने में भी गुजरात पर बेमौसमी बारिश का संकट बरकरार है। बेमौसमी बारिश से राज्य में फसलों को हुए नुकसान को लेकर राज्य सरकार के प्रवक्ता मंत्री ऋषिकेश पटेल का बयान सामने आया है। ऋषिकेश पटेल ने कहा कि राज्य में बेमौसमी बारिश से हुए नुकसान का 565 टीमें सर्वे कर रही हैं। जिसमें जूनागढ़, अमरेली, कच्छ, पाटण, साबरकांठा, अहमदाबाद, तापी, राजकोट, बनासकांठा, सूरत, बोटाद, जामनगर, भावनगर, अरवल्ली और भरुच जिले शामिल हैं। बेमौसमी बारिश से प्रभावित राज्य के 15 जिलों की 64 तहसीलों के 2185 गांव में फसलों के नुकसान की रिपोर्ट मिली है। अब तक 15 जिलों के 199951 हेक्टर प्रभावित क्षेत्र में सर्वे पूर्ण हो गया है। जिसमें 183121 और बागायती फसलों का प्रभावित क्षेत्र 168 30 शामिल है। दक्षिण गुजरात के वलसाड जिले में आम की फसलों को हुए नुकसान को लेकर जिला प्रशासन द्वारा प्रभावित क्षेत्र में सर्वे किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य की 34 तहसीलों में 10 मिमी से अधिक बारिश दर्ज हुई है। पटेल ने कहा कि सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक 42210 हेक्टर जितना क्षेत्र में 33 प्रतिशत या उससे अधिक नुकसान हुआ है। जिसमें 30895 हेक्टर क्षेत्र में कृषि फसलों और 11315 हेक्टर क्षेत्र में बागायती फसलों को नुकसान हुआ है। स्टेट डिजास्टर रिस्पोन्स फंड के नियमों के मुताबिक राज्य में 33 प्रतिशत से ज्यादा नुकसान जिन किसानों को हुआ है उन्हें राज्य सरकार की ओर से सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि अब भी राज्य पर बेमौसमी बारिश का संकट मंडरा रहा है। पहले राउंड में फसलों का हुआ नुकसान सामने आया है, जिसमें कृषि विभाग सरकार के साथ मिलकर सहायता पर विचार कर रहा है। पटेल ने कहा कि सर्वे पूर्ण होने के बाद सरकार आगामी समय में सहायता राशि का ऐलान करेगी।

6 महीने में गुजरात मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने रु. 11.15 करोड़ से भी अधिक की कमाई

अहमदाबाद ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 30 सितंबर 2022 को पूर्व-पश्चिम कोरिडोर अहमदाबाद के थलतेज और वस्त्राल के बीच मेट्रो रेल परियोजना चरण-1 का उदघाटन किया था। 6 अक्टूबर 2022 को उत्तर पश्चिम कोरिडोर पर एपीएमसी मार्केट से मोटेरा स्टेडियम के बीच मेट्रो रेल की शुरुआत हुई थी। अक्टूबर 2022 से मार्च 2023 तक बीते छह महीनों में 71,42,511 यात्रियों ने मेट्रो रेल सेवा का लाभ लिया और इससे गुजरात मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन को कुल रु. 11,15,46,752 रुपए की आय हुई है। अहमदाबाद में इस सेवा को मिली जबर्दस्त सफलता से गुजरात मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन काफी उत्साहित है। मेट्रो रेल प्रबंधन की रिपोर्ट के मुताबिक आय की दृष्टि से अक्टूबर 2022 का महीना खास तौर पर उल्लेखनीय रहा। अक्टूबर महीने में सबसे अधिक 15.44 लाख से अधिक यात्रियों ने मेट्रो रेल में सवारी की, जिससे रेल कॉर्पोरेशन को रु. 2.52 करोड़ से भी अधिक की आय प्राप्त हुई। जबकि सबसे कम फरवरी 2023 में सबसे कम 10.78 लाख यात्रियों ने इस सेवा का लाभ लिया और उससे रेल कॉर्पोरेशन को रु. 1.64 करोड़ की आय हुई। गुजरात मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर 2022 में 1544225 यात्रियों से रु. 25196101 रुपए की आय हुई। नवंबर 2022 में 1194131 यात्रियों से रु. 18991433 और दिसंबर 2022 में मेट्रो ट्रेन में सफर करने वाले 11008 51 यात्रियों से रेल कॉर्पोरेशन को रु. 16830131 की आय हुई। वहीं जारी वित्तीय वर्ष के पहले तीन महीने की बात करें तो जनवरी 2023 में 1092020 यात्रियों ने मेट्रो ट्रेन की सवारी की और उनसे कॉर्पोरेशन ने रु. 16750192 आय प्राप्त की। फरवरी 2023 में 1078120 यात्रियों से रु. 16435849 और मार्च 2023 में 1132382 यात्रियों के जरिए रु. 17343045 की आय रेल कॉर्पोरेशन को हुई। शुरूआती दिनों में मेट्रो ट्रेन सेवा सुबह 9 बजे से 8 बजे तक प्रति 30 मिनट में उपलब्ध होती थी। शनिवार और रविवार समेत सार्वजनिक अवकाश के दिनों में प्रति 15 से 20 मिनट की अवधि पर मेट्रो ट्रेन उपलब्ध थी। लेकिन 31 जनवरी 2023 से मेट्रो ट्रेन सेवा सुबह और शाम दो-दो घंटे बढ़ा दी गई। 31 जनवरी से मेट्रो ट्रेन सेवा सुबह । बजे से रात 10 बजे उपलब्ध है। सुबह 7 बजे से 8 बजे के दौरान प्रति 18 मिनट, सुबह 8 बजे से 11 बजे तक प्रति 15 मिनट, सुबह 11 से शाम 5 बजे तक प्रति 18 मिनट, शाम 5 बजे से रात 8 बजे तक प्रति 15 मिनट और रात 8 बजे से रात 10 बजे तक प्रति 18 मिनट पर यात्रियों को मेट्रो ट्रेन की सेवा उपलब्ध करवाई जा रही है। मेट्रो ट्रेन सेवा का समय बढ़ाए जाने के बाद ज्यादा से ज्यादा यात्री इसका लाभ ले रहे हैं।

सूरत में एसोचैम ने भारतीय कंपनियों के लिए यूएई के माध्यम से विश्व स्तर पर व्यापार का विस्तार करने के अवसरों की जानकारी दी

सूरत । भारत और यूएई का व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता (सीईपीए) दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों को बढ़ाने में महती भूमिका निभाएगा। भारत और संयुक्त अरब अमीरात दोनों के व्यवसायों ने पहले से ही सीईपीए के तहत दी गई शुल्क छूट और बढ़ी हुई बाजार पहुंच का लाभ उठाना शुरू कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप न केवल द्विपक्षीय व्यापार बल्कि दो-तरफा निवेश भी बढ़ रहा है।

इसके अनुरूप, एसोचैम हाल ही सूरत में शारजाह एयरपोर्ट इंटरनेशनल फ्री ज़ोन, शारजाह सरकार, संयुक्त अरब अमीरात के प्रतिनिधियों और सूरत के एसोचैम सदस्यों के बीच भारत-यूएई सीईपीए के लाभों और संयुक्त अरब अमीरात में व्यापार के विभिन्न अवसरों के बारे में एक्ज़मि समुदाय को जानकारी देने के लिए एक बैठक आयोजित की। इन बैठकों का आयोजन दक्षिणी गुजरात चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और जेम्स एंड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया, सूरत डायमंड एसोसिएशन; सूरत ज्वैलरी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन; सूरत प्रबंधन संघ और दक्षिण गुजरात सूचना प्रौद्योगिकीविद् संघ के साथ किया गया। इन बैठकों में सूरत के 70 से अधिक प्रमुख व्यवसायों ने भाग लिया।

शारजाह सरकार, यूएई के सैफ जोन के डिप्टी डायरेक्टर श्री अली अल मुतवा ने कहा, "यूएई और अन्य जीसीसी बाजारों में भारतीय उत्पादों की महत्वपूर्ण मांग है और भारतीय निर्यातकों को इस अवसर का उपयोग करना चाहिए। सीईपीए के बाद, संयुक्त अरब अमीरात एक प्रमुख पुन: निर्यात केंद्र के रूप में उभरेगा। सैफ जोन में भारतीय कंपनियों के लिए कई आशाजनक अवसर और प्रोत्साहन हैं जिनका एक निवेशक लाभ ले सकता है।

एसोचैम, गुजरात काउंसिल के अध्यक्ष श्री चिंतन ठाकर ने कहा, "मध्य पूर्व, उत्तरी अफ्रीका और मध्य एशिया के बाजारों को देखने वाले भारतीय व्यवसायों के लिए, शारजाह एयरपोर्ट इंटरनेशनल फ्री (एसएआईएफ) जोन उनके मार्केटिंग के प्रयासों को बूस्ट करने में सहायक होगा। सूरत के उद्योगों और यूएई के बीच काफी तालमेल है। यह सूरत में बैठकें आयोजित करने का एक प्रमुख कारण है ताकि हम उद्योगपतियों के बीच जागरूकता बढ़ा सकें और वैश्विक स्तर पर अपना व्यवसाय स्थापित करने के लिए हर संभव मदद कर सकें।

शारजाह एयरपोर्ट इंटरनेशनल फ्री ज़ोन 1995 में स्थापित किया गया था और यह संयुक्त अरब अमीरात में सबसे पुराना मुक्त व्यापार क्षेत्र है। किसी भी उद्योग के लिए कार्यालय, गोदाम और बेहतरीन सुविधाओं के साथ जमीन उपलब्ध कराई जाती है। शारजाह अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के काफी नजदीक होने के कारण यह जोन व्यापार, निर्माण और रसद की दृष्टि से काफी उपयुक्त है। इस क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने वाले व्यापारियों के लिए कई सब्सिडी और प्रोत्साहन योजनाएं भी हैं। दुबई में अपना उद्योग स्थापित करने के इच्छुक लोगों के लिए यह व्यापार क्षेत्र एक केंद्र बिंदु है।

21.73 लाख की शराब समेत कन्टेनर चालक गिरफ्तार, हरियाणा से वडोदरा ला रहा था

वडोदरा।

वडोदरा की एलसीबी पुलिस ने राजपीपला से वडोदरा लाई जा रही रु. 21.73 लाख से भी अधिक कीमत की भारतीय बनावट की विदेशी शराब के साथ कन्टेर के ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया। पकड़ी गई शराब हरियाणा के अंबाला से वडोदरा लाई जा रही थी। पुलिस ने शराब और कन्टेनर समेत कुल रु. 31.83 लाख का माल सामान जब्त कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। जानकारी के मुताबिक वडोदरा के डभोई पुलिस थाना क्षेत्र में एलसीबी की टीम गश्त पर थी। उस वक्त उसे सूचना मिली कि शराब भरा कन्टेनर नर्मदा जिले के राजपीपला से वडोदरा की ओर जा रहा था। सूचना के आधार पर एलसीबी ने डभोई-वडोदरा रोड स्थित पुडा गांव के निकट स्थित तुलसी होटल के सामने मोर्चा संभाल लिया और कन्टेनर के आते ही उसे घेर लिया। हरियाणा निवासी कन्टेनर के ड्राइवर संदीप बलदेवसिंह जाट को हिरासत में लेकर पुलिस ने उससे पूछताछ शुरू कर दी।

पुलिस ने बंद बॉडी के कन्टेनर चेक किया तो ड्राइवर की कैबिन के पीछे एक चोर खाने का पता चला। इस चोर खाने से पुलिस ने रु. 2173200 कीमत की 38 2 शराब की पेटियां बरामद की। संदीप जाट के मोबाइल, रु. 10000 नकद और कन्टेनर समेत रु. 3183200 का माल सामान जब्त कर लिया। पूछताछ में संदीप ने बताया कि शूटर नामक शख्स ने हरियाणा के अंबाला बोर्डर से पंजाब के राजपुरा के निकट हाईवे पर शराब लदे कन्टेनर उसे दिया था और वडोदरा पहुंचने के बाद फोन करने को कहा था। डभोई पुलिस ने शराब के पकड़े गए ड्राइवर संदीप और इसे भेजने वाले के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

स्कोडा स्लाविया को क्रैश सेफ्टी में मिले 5 स्टार

मुंबई । सुरक्षा और टूट-फूट के मामले में स्कोडा ऑटो इंडिया के टिकाऊ होने का दर्जा लगातार बढ़ रहा है, क्यों3कि स्लाविया सेडान को हाल ही में ग्लोंबल न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम (ग्लोणबल एनसीएपी) क्रैश टेस्ट्स3 में 5 में से पूरे 5-स्टार्स मिले हैं। स्लाविया इस प्रकार ग्लो्बल एनसीएपी द्वारा परखी गई सबसे सुरक्षित कार भी बन गई है, भारत के लिये ज्योदा सुरक्षित कारों के मुद्दे को आगे बढ़ाती है और स्कोबडा ऑटो इंडिया को भारत की एकमात्र निर्माता बनाती है, जिसके पास क्रैश-टेस्टेड कारों से भरा बेड़ा है, जिन्हें वयस्कं और बाल यात्रियों के लिये 5-स्टाकर्स मिले हैं।

स्लाबविया द्वारा स्थांपित किये गये सुरक्षा मानकों पर अपनी बात रखते हुए, स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्राण्ड डायरेक्टर श्री पेट्र सोल्क् ने कहा, "स्कोडा में अपनी रणनीति के तहत हम अपने ग्राहकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करते हैं। यह बताते हुए मैं खुश हूँ कि हमारी दूसरी इंडिया 2.0 कार स्लाकविया को ग्लोबल एनसीएपी सुरक्षा परीक्षण में 5-स्टार रेटिंग मिली है। यह बात सुरक्षा, परिवार और मानवीय स्पर्श के हमारे ब्राण्ड के मूल्यों से पूरी तरह मेल खाती है। हम गंभीरता से अपने ग्राहकों की प्रशंसा करते हैं, जिन्होंने स्कोडा के उत्पांद खरीदने का फैसला लिया है और हम बहुत खुश हैं कि हम उनके लिये बाजार की सबसे सुरक्षित कारों की पेशकश कर सकते हैं। सुरक्षा के लिये एक व्यापक दृष्टिकोण के साथ हमारे पास 5-स्टार सुरक्षित कारों की पूरी तरह से परखी हुई एक श्रृंखला है। इससे मुहर लगती है कि हमने किस तरह हमेशा अपनी कारों की गुणवत्तो, टिकाऊपन और सुरक्षा पर ध्यान दिया है। सुरक्षा हमारी रणनीति के मूल में है और हम इस दर्शन के साथ कारें बनाते रहेंगे।"

स्लाविया को स्थाानीकरण, स्वामित्वप और रख-रखाव की कम लागत पर ज्याीदा ध्यारन के साथ डिजाइन किया गया था। साथ ही स्कोथडा की सक्रिय ड्राइविंग की खूबियों को बरकरार रखा गया और सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया गया। भीतर के विभिन्नि आघातों पर उसे परखा गया था। स्ला विया को शुरूआत से ही सुरक्षा का ध्याान रखते हुए डिजाइन किया गया था। उसके आंतरिक ढांचे को कम वेल्डर किया गया है। इस ढांचे में ज्याादा मजबूत स्टीजल है और वह दुर्घटना के प्रभाव को कम तथा अवशोषित करने के लिये बना है, ताकि बाहरी हिस्सेह पर अंदर के केबिन से कम प्रभाव हो। यह मजबूत और आघात का अवशोषण करने वाली संरचना सुरक्षा की एक्टिव और पैसिव टेक्नोलॉजी का संगम है, जोकि स्लारविया को भीतर से लेकर बाहर तक पूरी तरह से सुरक्षित कार बनाता है। स्लाविया में 6 एयरबैग्सो, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, मल्टीर-कोलिजन ब्रेकिंग, ट्रैक्शन कंट्रोल, एंटी-लॉक ब्रेक्सी, बच्चों की सीटों के लिये आइसोफिक्स माउंट्स, टॉप टेथर एंकर पॉइंट्स, रेन-सेंसिंग वाइपर्स, ऑटोमेटिक हेडलाइट्स, टायर-प्रेशर मॉनिटरिंग, आदि जैसी खूबियाँ हैं।

गुजरात में अब तक का पहला राष्ट्रीय फोटोग्राफी महोत्सव 6 अप्रैल से शुरु होगा

अहमदाबाद ।

देश के विशिष्ट फोटोग्राफरों द्वारा फोटोग्राफी सहित फोटोग्राफी के विभिन्न पहलुओं को कवर करने वाला राष्ट्रीय फोटोग्राफी महोत्सव पहली बार गुजरात में आयोजित किया जा रहा है। नवजीवन ट्रस्ट एवं अन्य सहयोगी संस्थाओं द्वारा आयोजित हो रहे इस महोत्सव का आयोजन नवजीवन ट्रस्ट परिसर में 6 अप्रैल से 9 अप्रैल 2023 के दौरान आयोजित किया जाएगा।

नवजीवन ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी श्री विवेक देसाई ने इस बात की जानकारी देते हुए बताया कि गुजरात में पहली बार नवजीवन ट्रस्ट और अन्य संबद्ध संगठनों द्वारा राष्ट्रीय फोटोग्राफी महोत्सव का आयोजन किया गया है। इसमें देश के प्रसिद्ध फोटोग्राफरों की फोटोग्राफी प्रदर्शनी, पोर्टफोलियो प्रदर्शनी शामिल हैं। इसके अलावा इस फेस्टिवल में स्ट्रीट एंड ट्रैवल फोटोग्राफी वर्कशॉप और क्रिएटिव नेचर फोटोग्राफी वर्कशॉप भी आयोजित की गई हैं।

श्री विवेक देसाई ने कहा कि शाहीदुल आलम, सुचि कपूर और नताशा राहेजा, अनुश्री फडणवीस, प्रशांत पंजियार, सुधारक ओल्वे, अमित दवे, थ्रितीमान मुखर्जी और वरुण आदित्य जैसे शीर्ष फोटोग्राफरों की फोटोग्राफी प्रदर्शनी इस महोत्सव में देखने को मिलेगी। इसके अलावा, शिवांग मेहता, इंद्रजीत खांबे, मनीष लखानी, अनेरी निहलानी, लोपामुद्रा तालुकदार और जयेश जोशी जैसे फोटोग्राफरों के पोर्टफोलियो प्रदर्शनी भी महोत्सव का एक आकर्षक पहलू होगा।

उन्होंने आगे बताया कि 7 और 8 अप्रैल 2023 को लोपामुद्रा तालुकदार द्वारा स्ट्रीट एंड ट्रैवल फोटोग्राफी वर्कशॉप और 8 अप्रैल और 9 अप्रैल 2023 के दौरान सौरभ देसाई द्वारा एक क्रिएटिव नेचर फोटोग्राफी वर्कशॉप का भी आयोजन किया गया है।

श्री विवेक देसाई ने आगे कहा कि 6 से 9 अप्रैल 2023 के दौरान योजना उत्सव में फोटोग्राफरों के इंटरएक्टिव सत्र भी आयोजित किए गए हैं। फोटोग्राफी के प्रशंसक इन विशेषज्ञों के ज्ञान और अनुभव से लाभान्वित होंगे। राष्ट्रीय फोटोग्राफी महोत्सव आम लोगों के लिए सुबह 11 बजे से रात 9 बजे तक खुला रहेगा।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)